वर्ष : 17 ❖ अंक : 225 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 24 मार्च 2023

पीएम मोदी 14 अप्रैल को असम में एम्स का उद्घाटन करेंगे 3 | संसद में गतिरोध के बीच मंत्रियों के साथ ओम बिरला से मिले पीएम मोदी 8

किसान देश के सर्वश्रेष्ठ नागरिक : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 23 मार्च । सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मार्चा के सहयोगी संगठन किसान मोर्चा की राज्य स्तरीय बैठक आज पश्चिम सिक्किम के जूम सालगढ़ी के बेगुने कमलटार में मोर्चा उपाध्यक्ष प्रभारी एवं राज्य के कृषि मंत्री लोकनाथ शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

इस अवसर पर सिक्किम स्टेट बैंक अध्यक्ष डॉ. डीबी गुरुंग, पशुपालन व पशु चिकित्सा सेवा सलाहकार दुर्गा प्रसाद प्रधान, कृषि व बागवानी सलाहकार सीके राणा, किसान कल्याण बोर्ड अध्यक्ष फुर्देन लेप्चा, सिक्किम मिल्क यूनियन अध्यक्ष यम कुमार मिश्रा, किसान मोर्चा अध्यक्ष पदम शर्मा के अलावा एसकेएम दक्षिण पश्चिम युवा प्रभारी शेरहांग सुब्बा, पश्चिम जिलाध्यक्ष एबी सुब्बा एवं राज्य भर के बड़ी संख्या में किसान मोर्चा सदस्य उपस्थित थे। बैठक में जिला एवं समष्टि स्तरीय समितियों का गठन भी किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि शर्मा ने कहा कि लोगों के जीवन यापन एवं पोषण में किसानों की भूमिका दुनिया में अद्वितीय है। यदि वे अन्न का उत्पादन नहीं करते हैं, तो हम जीवित नहीं रह सकते। किसानों को देश का सर्वश्रेष्ठ नागरिक बताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने किसानों की बेहतरी हेतु कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मुख्यमंत्री मत्स्य योजना, मुख्यमंत्री कृषि समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुधन समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कृषि आत्मनिर्भर योजना आदि शामिल हैं।

वहीं सिक्किम जैविक कृषि विकास एजेंसी का गठन कर सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कृषि आत्मनिर्भर योजना के तहत 19 कृषि उत्पादों को प्रोत्साहन राशि का वितरण किया जा रहा है। इसके तहत अब तक इस क्षेत्र में 9 करोड़ 58 लाख रुपए का वितरण कर 14 हजार 297 किसानों को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पशुधन समृद्धि योजना के तहत राज्य में दुग्ध उत्पादन के लिए अब तक 34 करोड़ प्रोत्साहन राशि का वितरण किया जा चुका है जिससे 45 हजार दुग्ध उत्पादक किसान लाभान्वित हुए हैं। वहीं सूअर पालन एवं 582 किसानों को मुख्यमंत्री मछली उत्पादन योजना में 68 लाख 80 हजार रुपए का वितरण किया जा चुका है।

इसके साथ ही मंत्री ने यह भी कहा कि यह गर्व की बात है कि सिक्किम के एक किसान को देश के सर्वश्रेष्ठ नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। उन्होंने समस्त जानकारी देते हुए उपस्थित सभी लोगों से कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार सिक्किम के उत्पादों को विश्व बाजार में लाने के लिए लगातार काम कर रही है।

इस अवसर पर किसान मोर्चा अध्यक्ष पदम शर्मा ने कहा कि 2019 में वर्तमान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में सिक्किम क्रांतिकारी मार्चा पार्टी सरकार की स्थापना के बाद से अब तक कई कार्य किए गए हैं। राज्य कृषि विभाग ने किसानों के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरणों का वितरण कर उनकी काफी प्रगति की है। उत्पादित फसलों के लिए प्रोत्साहन राशि देकर कृषि व्यवसाय को बढ़ावा दिया गया है।

इससे पहले, बैठक के प्रथम चरण में किसान मोर्चा महासचिव यम कुमार मिश्रा ने भाषण दिया।

विधायक गोले ने दो सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन व शिलान्यास

अनुगामिनी का.सं.

सोरेंग, 23 मार्च । सोरेंग च्याखुंग के विधायक आदित्य गोले ने आज क्षेत्र के खारपाने और रिदांग में दो सड़क निर्माण कार्यों के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास किया। ये सड़क निर्माण परियोजनाएं क्षेत्र के मागसारी-मगरजोंग प्रखंड अंतर्गत कट्टरबोटे-खारपानी को खारपाने प्राथमिक विद्यालय से जोड़ने वाली 1.5 किमी. और रिदांग डुमरीबोटे को लोअर टिम्बुरबंग से जोड़ने वाली 1.5 किमी लंबी सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके निर्माण में क्रमश: 1.8 करोड़ और 96 लाख रुपए की लागत आयेगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कट्टरबोटे खारपानी की सड़क भविष्य को निकट भविष्य में रामबांग खोला स्थित एनटीपीसी बुदांग को जोड़ा जाएग। वहीं रिदांग डुमरीबोटे-लोअर टिम्बुरबंग सड़क को आगे आईसीडीएस चिसोपानी से जोड़ा जाएगा। इन निर्माण कार्यों के शिलान्यास पर दोनों जगहों के स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोजे) के साथ ही क्षेत्रीय विधायक आदित्य गोले के प्रति आभार व्यक्त किया है।

आज उक्त शिलान्यास कार्यक्रम में सड़क व पुल विभाग के अधीक्षण अभियंता तारा सुब्बा, मंडल अभियंता नयन बराइली, सहायक प्रचारक सुमन छेत्री, स्थानीय जिला के साथ-साथ ग्राम पंचायत, सीएलसी अध्यक्ष सुकराज सुब्बा, हितधारक और स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे।

सिक्किम को देश का पहला क्षयरोग मुक्त राज्य बनाने में दें योगदान : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 मार्च । सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने विश्व क्षय रोग दिवस पर, सिक्किम के लोगों को अपना संदेश कहा कि कि क्षय रोग व्यक्ति, परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करता है। हमें टीबी महामारी को समाप्त करने के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और उपचार द्वारा भारत को 2025 तक टी बी मुक्त बनाने के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए।

इस वर्ष की थीम, हां, हम कर सकते हैं हमें याद दिलाती है कि टीबी के खिलाफ लड़ने का समय आ गया है। एक समुदाय और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में, क्षय मुक्त सिक्किम की दिशा में स्वेच्छा से योगदान करने के लिए 'निक्षय मित्र' को स्वीकार कर राज्य तथा राष्ट्र को पूर्ण रूप से टीबी मुक्त बनाने के संकल्प में अपनी योगदान प्रदान करें और 2025 तक टीबी उन्मूलन की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने में हम सब एक साथ अपनी की भागीदारी बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि आइये, टीबी उन्मूलन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में हम सभी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और सिक्किम को भारत का पहला क्षय मुक्त राज्य बनाने में अपना पूर्ण सहयोग दें।

डीडीयूजीकेवाई के तहत नौकरी मेला आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 23 मार्च । राज्य के कौशल विकास विभाग के अधीन क्षमता निर्माण संस्थान द्वारा जिला कौशल समिति के सहयोग से आज स्थानीय नगर पंचायत परिसर में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयूजीकेवाई) के तहत एक नौकरी मेला सह पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई थी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष कादो लेप्चा के अलावा डीसी हेम कुमार छेत्री, मुख्य एसआईसीबी प्रशासक बिशाल राई, एडीएम छिरिंग यांगडेन शारत्सो, डीसीटीएसई निदेशक डॉ. आईबीएस यादव एवं एसडीडी उपनिदेशक धर्मा डी. शर्मा के साथ अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री लेप्चा ने अपने वक्तव्य में राज्य के विकास हेतु युवाओं में आत्मनिर्भरता मूल्यों को विकसित करने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्य एसआईसीबी प्रशासक विशाल राई ने डीडीयूजीकेवाई, जॉब मेला और विशेष रूप से पूर्व छात्रों की बैठक के बारे में बताते हुए कहा कि कौशल विकास विभाग राज्य के युवाओं के लिए निश्चित प्लेसमेंट आधारित कौशल प्रशिक्षण आयोजित करता रहा है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी युवाओं को प्लेसमेंट प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सभी आवश्यक सहयोग के लिए मंगन प्रशासन और जिला कौशल समिति के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ ही जिले की महात्मा गांधी नेशनल फेलो मिस दिलू शर्मा को भी धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि इस मेले में फार्मास्युटिकल, हॉस्पिटैलिटी, बैंकिंग, बीमा और अन्य क्षेत्रों से कुल 14 निजी कम्पनियों ने भाग लिया। इन संस्थानों बड़ी संख्या में आए जिले के युवाओं को प्लेसमेंट की पेशकश की।

सीएम ने पूर्वी क्षेत्रीय विद्युत समिति की टीसीसी व ईआरपीसी बैठक का किया उद्घाटन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 मार्च । राजधानी के चिंतन भवन में आज प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने पूर्वी क्षेत्र विद्युत समिति की 49वीं टीसीसी और ईआरपीसी बैठक का उद्घाटन किया।

सिक्किम सरकार और सिक्किम ऊर्जा के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय बैठक में राज्य के ऊर्जा मंत्री एमएन शेरपा और सिक्किम ऊर्जा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सरावगी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री व अन्य उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर दो दिवसीय बैठक का विधिवत शुभारंभ किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने पूरे सिक्किम की ओर से बैठक में उपस्थित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि सिक्किम ऊर्जा न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी खुशी जताई कि सिक्किम ऊर्जा सिक्किम के नागरिकों के प्रति हर जिम्मेदारी निभा रही है।

मुख्यमंत्री गोले ने उपस्थित सभी प्रतिनिधियों से सिक्किम की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने और सिक्किम की प्राकृतिक सुंदरता का ब्रांड एंबेसडर बनने का आह्वान किया। दो दिवसीय बैठक में सभी की सफलता की कामना करते हुए, उन्होंने सिक्किम में पहली बैठक में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

दूसरी राजनीतिक पार्टी से एसपीवाईएफ का संचालित होना गलत : सीपी शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 मार्च । सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने राज्य में एसपीवाईएफ की अवस्थिति एवं विपक्षी पार्टियों के साथ उनके कथित समन्वय को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। साथ ही उसने इसे लेकर विपक्षी एसडीएफ और हाम्रो सिक्किम पार्टी की आलोचना भी की है।

एसकेएम प्रवक्ता सह मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि हमारा मानना था कि एसपीवाईएफ एक गैर-राजनीतिक मंच है जिसका नेतृत्व बौद्धिक युवा करते हैं। इस मंच ने पिछले दिनों सिक्किम से जुड़े मुद्दों को भी उठाया, जिन्हें भरपूर जनसमर्थन भी मिला। वहीं 2019 के चुनाव में इस मंच ने पूर्व एसडीएफ सरकार की जनविरोधी, अत्याचारी एवं दमनकारी राजनीति का पुरजोर विरोध भी किया था।

सीपी शर्मा शर्मा ने कहा कि असल में राज्य के सर्वांगीण विकास की उनकी मांग का सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी ने भी समर्थन किया था। लेकिन हाल ही में देखा गया कि राज्य में हिंसा एवं अन्य विषयों के विरोध में जब एसपीवाईएफ सदस्य सड़कों पर उतरे तो वे अकेले नहीं थे, बल्कि दूसरी राजनीतिक पार्टी के लोग भी उनके मंच पर थे। ऐसे में एसकेएम का कहना है कि एसपीवाईएफ भविष्य में राजनीति करेगी या नहीं यह तो वे ही जानेंगे। हम भी चाहते हैं कि भविष्य में सिक्किम की बागडोर शिक्षित युवा ही संभाले। लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि एसपीवाईएफ को अन्य कोई भी राजनीतिक पार्टी द्वारा संचालित किया जाये। यदि उनके द्वारा उठाये गये मुद्दे जनहित में होंगे तो सरकार उसे अवश्य सुनेगी और उन पर अमल करेगी।

एसकेएम प्रवक्ता ने कहा कि मौजूदा समय में देखा गया कि जब एसपीवाईएफ के लोग हिंसा के खिलाफ सड़कों पर उतरे तो उनके साथ राजनीतिक ठग भी खड़े थे। पच्चीस सालों से खूनी होली खेलने वाली पार्टी को भी हिंसा के खिलाफ पोस्टर लिए देखा गया। हमारा कहना है कि जिनलोगों ने पच्चीस वर्षों से सिक्किम को निगला, उनके लिए एसपीवाईएफ को निगलने में कितना समय लगेगा। एसकेएम पार्टी और सरकार इस पर अपनी चिंता जाहिर करती है। उनके अनुसार, एसपीवाईएफ को यह समझना होगा और यदि वे ऐसा नहीं कर पाते हैं तो बिना दांतों वाले बाघ की तरह होंगे।

वहीं भाइचुंग भूटिया पर निशाना साधते हुए एसकेएम प्रवक्ता ने कहा कि सिक्किम में यह आम मांग है कि राजनीति के बहाने हिंसा नहीं होनी चाहिए, जिसमें एसकेएम पार्टी भी शामिल है। लेकिन सिक्किम को नीचा दिखा कर बंगाल से राजनीति करने वाले भाइचुंग भूटिया भी एसपीवाईएफ के बैनर तले आकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं। ये विरोधी बलि के बकरे की तरह

हैं जो जहां बुलाए जाते हैं वहां चले जाते हैं, क्योंकि उनके पास न तो लड़ने के लिए सींग है और न ही चबाने के लिए दांत। चलते भी हैं तो किसी और के पैरों से चलते हैं। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी को ऐसे लोगों की परवाह नहीं है।

इसके अलावा सीपी शर्मा ने आगे यह भी कहा कि सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी जानती है कि शांति रैली कैसी होती है और इसका आयोजन करते समय किस तरह के नियमों का पालन करना चाहिए। हम यह भी जानते हैं कि भेड़ियों के झुंड में एक बकरी सुरक्षित नहीं रह सकती है।

एसपीवाईएफ का एसडीएफ ने नहीं किया इस्तेमाल : दिव्या शर्मा

कहा- सरकार सिक्किम में राजनीतिक हिंसा व आतंकवाद का संज्ञान लेने में रही है विफल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 मार्च । सत्ताधारी एसकेएम द्वारा एसपीवाईएफ की शांति रैली का इस्तेमाल कर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने के आरोप का एसडीएफ ने खंडन किया है। उनका कहना है कि इससे यह साबित होता है कि राज्य में एसकेएम की सरकार बनने के बाद वह राज्य में हुए राजनीतिक हिंसा और आतंक रोकने में विफल रही है।

एसडीएफ के प्रेस व प्रचार मामलों की महासचिव दिव्या शर्मा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि एसडीएफ पार्टी एसकेएम सरकार के इस आरोप की कड़ी निंदा करती है कि एसडीएफ ने 22 मार्च को एसपीवाईएफ द्वारा आयोजित शांति रैली का इस्तेमाल सिक्किम में पिछले कुछ महीनों में जारी राजनीतिक हिंसा और आतंक के खिलाफ दुष्प्रचार फैलाने के लिए किया है।

सत्तारूढ़ पार्टी के इस हताश और गैर-जिम्मेदाराना बयान से साबित होता है कि वह 2019 में एसकेएम सरकार बनने के बाद से यह सरकार सिक्किम में राजनीतिक हिंसा और आतंकवाद का संज्ञान लेने में विफल रही है।

साथ ही एसडीएफ ने सरकार के इस बयान की भी निंदा की है कि राज्य में सभी राजनीतिक हिंसा और हमले केवल एसडीएफ पार्टी के कार्यकर्ताओं पर ही निर्देशित होते हैं, अन्य राजनीतिक पार्टियों के सदस्यों पर नहीं।

एसडीएफ प्रवक्ता के अनुसार, यह स्पष्ट रूप से साबित करता है कि यह सरकार इन जघन्य आपराधिक साजिशों और अपराध में सीधे तौर पर शामिल है, जिसका लक्ष्य राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी एसडीएफ के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले, एसकेएम पार्टी प्रमुख एवं मुख्यमंत्री स्वयं कई बार सार्वजनिक मंच से एसडीएफ पार्टी के पदाधिकारियों को जान-माल का नुकसान पहुंचाने की धमकी दे चुके हैं।

बीते 4 फरवरी को ही असांगथांग में मुख्यमंत्री ने एसडीएफ नेताओं के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा की, जिसके बाद कई एसडीएफ नेताओं पर जानलेवा हमले हुए हैं। उनके अनुसार, सबसे बुरी बात यह है कि आज तक मुख्यमंत्री पीएस गोले, जिनके पास गृह विभाग भी है, ने राज्य में हिंसा और आतंक के ऐसे किसी भी कृत्य की निंदा नहीं की है और न ही इस तरह के अपराधों के बाद जनता में विश्वास बहाली हेतु कोई कानूनी कदम ही उठाए हैं।

एसडीएफ प्रवक्ता ने आगे कहा कि अपराधियों को सजा दिलाने हेतु एसडीएफ के किसी एफआईआर पर आज तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। उल्टे पीड़ितों को ही गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके अनुसार, एसकेएम का यह कहना कि एसडीएफ पार्टी अपने ही कार्यकर्ताओं पर हमले करवा रही है, उनकी आपराधिक मानसिकता का दर्शाता है। शर्मा ने कहा कि एसकेएम सरकार आमलोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह से विफल रही है, जो किसी भी सरकार की सबसे बुनियादी जिम्मेदारी है। इसलिए हम एसकेएम सरकार से जागने और सरकार चलाने के लिए केवल प्रचार पर निर्भर रहना बंद कर राज्य में कानून का राज सुनिश्चित करने की एक बार फिर अपील करते हैं।

बहुविवाह व निकाह हलाला के खिलाफ सुनवाई के लिए नई बेंच गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेन्सी)। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि वह मुस्लिमों में बहुविवाह और 'निकाह हलाला' की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए पांच न्यायाधीशों की नई संविधान पीठ का गठन करेगा।

मामले में अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला शामिल थे, ने कहा कि वह इस मामले पर विचार करेंगे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, एक उचित चरण में, मैं एक संविधान पीठ का गठन करूंगा।

पिछले साल 30 अगस्त को जस्टिस इंदिरा बनर्जी, हेमंत गुप्ता, सूर्यकांत, एम.एम. सुंदरेश, और सुधांशु धूलिया ने याचिकाओं पर नोटिस जारी किया था और मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) को पक्ष बनाया और उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी।

हालांकि, जस्टिस बनर्जी और जस्टिस गुप्ता अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं, इसलिए बहुविवाह और निकाह हलाला की प्रथाओं को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के लिए पीठ के पुनर्गठन की आवश्यकता है।

उपाध्याय की याचिका में कहा गया है कि तीन तलाक, बहुविवाह और निकाह-हलाला की प्रथा संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 का उल्लंघन और सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

याचिका में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की धारा 2 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है, क्योंकि यह बहुविवाह और निकाह-हलाला को मान्यता देना चाहता है।

उपाध्याय की याचिका में कहा गया कि यह अच्छी तरह से स्थापित है कि व्यक्तिगत कानूनों पर सामान्य कानून की प्रधानता है। इसलिए, यह अदालत यह घोषित कर सकती है कि तीन तलाक, निकाह-हलाला व बहुविवाह एक अपराध है।

दिल्ली के 12 कॉलेजों में आर्थिक संकट, उच्च शिक्षा सचिव ने किया कॉलेजों का निरीक्षण

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेज ऐसे हैं जो पूर्णत दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित हैं। इन कॉलेजों में शिक्षकों व कर्मचारियों के वेतन, एरियर, पदोन्नति व स्थाई नियुक्ति की समस्या बनी हुई है।

दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा सचिव व शिक्षा निदेशक की एक टीम ने इन कॉलेजों की समस्याओं को जानने के लिए कॉलेजों में जाकर निरीक्षण किया है।

निदेशक की टीम ने अपने दौरे के दौरान प्रिंसिपलों, शिक्षकों व कर्मचारियों से उनके वेतन, एरियर, पदोन्नति, नियुक्ति और संसाधनों संबंधी समस्याओं की सुनवाई की। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस ने बताया कि दिल्ली सरकार के पूर्ण वित्त पोषित कॉलेजों में दौरे के दौरान इन कॉलेजों में अनियमितता पाई गई हैं।

उच्च शिक्षा सचिव व निदेशक की एक टीम दिल्ली सरकार के पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों की रिपोर्ट तैयार कर रही है। फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने बताया है कि कॉलेजों के शिक्षकों व कर्मचारियों ने निरीक्षण टीम के समक्ष अपना दुखड़ा सुनाया। शिक्षकों व कर्मचारियों ने अलग -अलग कॉलेजों में पिछले कई वर्षों से नियमित वेतन न होने और उसके कारण होने वाली समस्याओं को उच्च शिक्षा निदेशालय के प्रतिनिधियों के समक्ष रखा।

शिक्षकों ने टीम को बताया कि पेंशन, एरियर, मेडिकल बिल का भुगतान भी समय पर नहीं हो रहे है। उनका कहना था कि सेवानिवृत्ति के उपरांत शिक्षकों कर्मचारियों को मिलने वाला भुगतान भी समय पर ग्रांट न मिलने के कारण देरी से मिलता है। शिक्षकों ने बताया कि पिछले दो साल से 12 कॉलेजों को समय पर वेतन कभी नहीं मिला। उन्हें वेतन दो -तीन महीने में वेतन मिलता है और कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं हो रही है उन्हें कॉलेज कंट्रेक्च्ुअल पर रखता है।

डॉ. सुमन ने बताया है कि सचिव व निदेशक की टीम के प्रतिनिधियों को भीमराव अंबेडकर कॉलेज व आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज के शिक्षकों ने बताया कि कॉलेज में कम्प्यूटर लैब, संसाधनों के रखरखाव पर होने वाली मरम्मत का पैसा भी समय पर कॉलेजों को नहीं मिल रहा है। शिक्षकों का कहना था कि इन कॉलेजों में पिछले 25 -30 वर्षों में छात्रों की संख्या कई गुणा बढ़ी है लेकिन इसके अनुपात में शिक्षकों व कर्मचारियों के पदों की संस्तुति दिल्ली सरकार के स्तर पर लटकी हुई है जिससे शिक्षण व प्रशासनिक कार्य बाधित हो रहा है।

दिल्ली देहात में छात्राओं के लिए बने भगिनी निवेदिता कॉलेज व अदिति महाविद्यालय के नए भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया। कई कॉलेज के शिक्षकों ने कहा कि दिल्ली सरकार को अपने वित्त पोषित कॉलेजों में गवर्निंग बॉडी बनाने की इसलिए चिंता है ताकि वह अपने लोगों की स्थायी नियुक्ति करा सकें। लेकिन वह प्रिंसिपलों की स्थायी नियुक्ति क्यों नहीं करती। उन्होंने इन कॉलेजों में राजनैतिक हस्तक्षेप को समाप्त करने की भी मांग प्रतिनिधियों से की।

आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज की टीचर्स एसोसिएशन ने मांग की है कि कॉलेज को पूर्व में स्वीकृत शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक पदों की नियुक्ति हेतु अनुमति दी जाए, उन्होंने लिखा है कि कॉलेज में 129 टीचिंग पद है जबकि 200 शिक्षकों का वर्कलोड है। साथ ही नई शिक्षा नीति -2020 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए आधारभूत संरचना स्वीकृत की जाए।

नवीन-ममता ने संघीय ढांचे को मजबूत करने का लिया संकल्प, गठबंधन से जुड़े सवालों को टाल गए दोनों नेता

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को देश के संघीय ढांचे को 'मजबूत और स्थायी' बनाने का संकल्प लिया। दोनों मुख्यमंत्रियों ने बनर्जी की ओडिशा की तीन दिवसीय यात्रा के समापन पर एक बैठक की।

नवीन निवास में ममता बनर्जी के साथ बैठक के अंत में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने देश के संघीय ढांचे को स्थायी और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कोई अन्य राजनीतिक चर्चा नहीं हुई।'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी पटनायक का समर्थन किया और कहा, 'नवीन जी ने जो कहा मैं उसका पुरजोर समर्थन करती हूं और मैं इसकी सराहना करती हूं।' हालांकि, दोनों नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए तीसरे मोर्चे या क्षेत्रीय गठबंधन की संभावनाओं पर सवालों को टाल दिया।

उन्होंने कहा, 'यह शिष्टाचार मुलाकात थी। गंभीर राजनीतिक मामलों के बारे में कोई गहन चर्चा नहीं हुई। हमारी बहुत पुरानी दोस्ती है।' इससे पहले बनर्जी पटनायक के आवास पर पहुंचीं जहां ओडिशा के मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथ का श्री अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो को तीन रथों की प्रतिकृति भी भेंट की। उन्होंने पश्चिम बंगाल की सीएम को फिलीग्री वर्क और कुछ मिठाइयां भी भेंट कीं। बनर्जी ने पटनायक को एक शॉल भेंट की।

माकपा व बीजेपी नेताओं ने मुझसे भर्ती के लिए मांगी मदद : पार्थ चटर्जी

कोलकाता, 23 मार्च (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी ने गुरुवार को एक आरोप लगाया कि जब वह मंत्री थे तो माकपा और भाजपा के कई नेताओं ने उनसे भर्ती में मदद मांगी थी।

उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के वर्तमान नेता शुभेंदु अधिकारी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और लोकसभा सदस्य दिलीप घोष और माकपा केंद्रीय समिति के सदस्य और विधानसभा में विधायक दल के पूर्व नेता सुजन चक्रवर्ती का नाम लिया।

चटर्जी ने कहा, सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष और सुजान चक्रवर्ती शिक्षक भर्ती घोटाले के बारे में बड़े-बड़े आरोप लगा रहे हैं। उन्हें अपने आप को देखना चाहिए। उन्होंने मुझसे भर्ती में मदद मांगी। मैंने मना कर दिया और उन्हें स्पष्ट रूप से कहा कि मैं इसमें कोई मदद नहीं कर पाऊंगा। क्योंकि मेरे पास कोई भर्ती प्राधिकरण नहीं था। फिर उन्होंने अन्य लोगों से भी संपर्क किया।

यह बात उन्होंने गुरुवार सुबह उस समय कही जब उन्हें सरकारी स्कूलों में शिक्षक और गैर शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में करोड़ों रुपये के घोटाले की सुनवाई के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत में लाया गया।

चटर्जी के आरोपों पर टिप्पणी करते हुए तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव और पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि चूंकि राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री ने ये आरोप लगाए हैं, इसलिए, केंद्रीय एजेंसियों को तीनों नामजद लोगों को हिरासत में लेना चाहिए और पार्थ चटर्जी के साथ मिलकर उनसे पूछताछ करनी चाहिए।

दिलीप घोष ने आरोपों को खारिज किया और कहा, दरअसल, उन्हें अवैध रूप से अर्जित धन और कई गर्लफ्रेंड्स की कंपनी का आनंद लेने के चलते लग्जरी जीवन की आदत हो गई थी। अब इतने दिनों तक सलाखों के पीछे रहने के कारण वह मानसिक रूप से असंतुलित हो गए हैं।

सुजान चक्रवर्ती ने दावा किया कि यह मुख्य मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए, एक जानबूझकर चाल है और इसमें उनका नाम गलत तरीके से शामिल किया गया है। मामले में सुवेंदु अधिकारी की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई। पार्थ चटर्जी को प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले साल 23 जुलाई को गिरफ्तार किया था।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सरकार कर रही समीक्षा

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसी)। सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में बताया कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कर रही है और इस पर वह उचित कार्रवाई भी करेगी। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने एक लिखित जवाब में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दो मार्च के अपने फैसले में कहा कि जब तक संसद संविधान के अनुच्छेद 342 (2) के अनुरूप कानून नहीं बना देती, तब तक सीईसी और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति तीन सदस्यीय समिति की सिफारिशों पर की जाएगी। इस समिति में प्रधानमंत्री, भारत के प्रधान न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता, और यदि कोई विपक्ष का नेता उपलब्ध नहीं है, तो लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता सदस्य होंगे। उन्होंने कहा, सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कर रही है और उचित कार्रवाई की जाएगी।

रिजिजू ने कहा कि चुनाव आयोग भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(1) के अनुसार स्थापित एक स्थायी संवैधानिक निकाय है। संविधान के अनुच्छेद 324(2) के अनुसार, चुनाव आयोग मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों (यदि कोई हों) से मिलकर बनेगा। यह संख्या राष्ट्रपति समय-समय पर तय करेंगे। सीईसी और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, संसद द्वारा इस संबंध में बनाए गए कानून के प्रावधानों के अधीन, राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।

कानून मंत्री ने कहा कि मूल रूप से आयोग की अध्यक्षता एकमात्र मुख्य चुनाव आयुक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि आयोग के कामकाज में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और देश में स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए, तत्कालीन सरकार ने अक्टूबर 1989 में दो अतिरिक्त आयुक्तों की नियुक्ति की, जो केवल जनवरी 1990 तक पद पर रहें। उन्होंने कहा कि बाद में एक अक्टूबर 1993 को दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की गई और तब से वर्तमान बहु-सदस्यीय आयोग की अवधारणा प्रचलन में है।

रिजिजू ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए, भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(2) के तहत संसद द्वारा कोई विशिष्ट कानून नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार (कार्य संचालन) नियम, 1961 के नियम आठ के अनुसार सीईसी और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की मंजूरी की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, अब तक सिविल सेवा के वरिष्ठ सदस्यों और/या भारत सरकार के सचिव रैंक के अन्य सेवारत या सेवानिवृत्त अधिकारियों/राज्य सरकारों के मुख्य सचिव को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया जाता है, और तीन चुनाव आयुक्तों में से सबसे वरिष्ठ को मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया जाता है। रिजिजू ने कहा, सीईसी और चुनाव आयुक्तों के पदों पर नियुक्तियां संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं, जो आयोग की अखंडता और विश्वसनीयता को बनाए रखते हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री, ईडी और सीबीआई के दफ्तर पहुंचे टीएमसी सांसद, गौतम अदाणी को गिरफ्तार करने की मांग

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के कार्यालयों पहुंचकर कारोबारी गौतम अदाणी की गिरफ्तारी की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में टीएमसी के वे राज्यसभा और लोकसभा सदस्य शामिल थे, जो बीते सप्ताह से उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। टीएमसी सांसदों का कहना है कि वह करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार हैं।

पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को पारदर्शी छवि की तुलना में गौतम अदाणी की ज्यादा परवाह है। हमारे सांसदों ने वित्त मंत्रालय, ईडी और सीबीआई के अधिकारियों को विरोध में हस्ताक्षरित टोपी सौंपी। इस मुद्दे पर किसी चर्चा से बचने के लिए संसद को बाधित करने की भाजपा की रणनीति काम नहीं करेगी। टीएमसी ने कहा, हम भ्रष्टाचार की समस्या के आगे नहीं झुकेंगे। हम न्याय और जवाबदेही के लिए अपनी लड़ाई में मजबूती से डटे रहेंगे।

प्रतिनिधिमंडल में टीएमसी की लोकसभा सदस्य प्रतिमा मंडल, अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान, सुनील कुमार मंडल और अपरूपा पोद्दार और राज्यसभा सदस्य डोला सेन, शांतनु सेन, अबीर रंजन बिस्वास, मौसम नूर, सुष्मिता देव, शांता क्षेत्री शामिल थे। इस प्रतिनिधिमंडल ने सीतारमण, ईडी और सीबीआई के कार्यालयों का दौरा किया।

सीबीआई अधिकारी से मिलने पहुंचे तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने आरोप लगाया कि उन्हें सीबीआई परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया गया और उनकी मंजूरी के बिना उनकी वीडियोग्राफी की गई। उन्होंने कहा, सीबीआई कार्यालय में हमारे नेताओं के प्रवेश पर रोक लगाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भ्रष्ट लोग डरे हुए हैं। हम अदाणी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। टीएमसी ने अदाणी के खिलाफ लगे आरोपों पर संसद में प्रधानमंत्री से जवाब मांगा कि कारोबारी को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) व जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के धन को कहां निवेश किया जा रहा है।

विश्वविद्यालयों तक पहुंचना है तो आंगनबाड़ी केंद्रों की तरफ देखना होगा : राज्यपाल

वाराणसी, 23 मार्च (एजेंसी)। दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचीं राज्यपाल ने गुरुवार को आंगनबाड़ी केंद्रों के बेहतर विकास के लिए सेवापुरी, आराजीलाइन, काशी विद्यापीठ ब्लॉक में सामग्री किट बांटे। उन्होंने नंदघर में बच्चों के बीच फल बांटे। राज्यपाल ने बच्चों से कविताएं सुनीं। ग्राम प्रधानों को भी आंगनबाड़ी पर बनने वाले व्यंजनों को खाने को कहा ताकि क्वालिटी को बनाया रखा जा सके। कार्यक्रम में राज्यपाल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मां यशोदा का दर्जा दिया।

राज्यपाल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को और बेहतर बनाया जाएगा। इससे बच्चों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी। बच्चों को मनोरंजन के अधिक अवसर मिलेंगे। इससे उनके खेलने, सीखने तथा शारीरिक क्षमता का अधिक विकास हो सकेगा। बच्चों को खेलते हुए देखकर अलग ही आनंद की प्राप्ति होती है।

राज्यपाल ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर अच्छा खाना व पोषण युक्त आहार की बात कही। आंगनबाड़ी समूह को एक परिवार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पिछले 21 साल से बिना छुट्टी लिए देश की सेवा कर रहे हैं। उसी प्रकार आप सभी भी अपने कार्यों को अच्छे से करें। बच्चों को मेहनत से पढ़ाएं और सिखाएं। राज्यपाल ने पोषण वाटिका की भी तारीफ की।

सेवापुरी के 100 आंगनबाड़ी केंद्रों को एसबीआई लखनऊ मंडल से सामग्री दी गई। वेदांता समूह के अनिल अग्रवाल फाउंडेशन ने आराजीलाइन के हरसोस, काशी विद्यापीठ के अलाउद्दीनपुर के आंगनबाड़ी केंद्रों (नंदघर) पर न्यूट्री बार, सामग्री किट और स्मार्ट टेबलेट दिए। किट में बच्चों के खेलने का सामान, स्मार्ट टेबलेट, कुर्सियां, बर्तन आदि थे। राज्यपाल ने एसबीआई का आभार जताया।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने बताया कि लगभग 90 प्रतिशत आंगनबाड़ी को डिजिटल रूप में परिवर्तित किया जा चुका है।

कार्यक्रम में एसबीआई के महाप्रबंधक शरद चांडक मौजूद रहे। वेदांता समूह की श्रीमती रितु झिंगन, प्रिया अग्रवाल ने समूह की ओर से तीन ब्लाकों सेवापुरी, काशी विद्यापीठ और आराजीलाइन में किए जा रहे कार्यों को रखा गया।

राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा प्रतिशत को 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 2030 तक 50 प्रतिशत करने की दिशा में सार्थक प्रयास होना चाहिए। इसलिए, हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि आंगनबाड़ी केंद्र के बाद बच्चे का प्रवेश कक्षा 1 में सुनिश्चित हो सके। कक्षा 12 के बाद बच्चे का प्रवेश विश्वविद्यालय में हो सके। तभी हम इस आकड़े को प्राप्त कर सकेंगे।

राज्यपाल ने अस्पतालों में प्रसव पर कहा कि वर्तमान में हमारे देश में 86 प्रतिशत ही प्रसव अस्पतालों में होते हैं, बाकी बचे 14 प्रतिशत प्रसव भी अस्पतालों में सुनिश्चत हो सके। इस दिशा में भी कार्य करने की जरूरत है ताकि कोई भी प्रसव घर पर न हो। जन्म के एक घंटे के अंदर बच्चों को मां के दूध प्रतिशत को 24 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास होना चाहिए, ताकि बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से 2023 को पूरा विश्व बाजरा वर्ष के रूप में मना रहा है। विश्व में मोटे अनाज की मांग बढ़ी है। इसका सीधा फायदा हमारे किसानों को होगा। मोटे अनाज के उपयोग से बच्चों में कुपोषण दूर करने में मदद मिलेगी। छात्रावासों में भी मोटे अनाज के उपयोग को बढ़ावा मिला है। मोटे अनाज को दिए गए नाम श्रीअन्न की भी चर्चा की। राज्यपाल ने दस आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किट बांटे। इनमें मतीबाला पांडेय (कुरहुआ), माधुरी देवी (अवलेशपुर), अर्चना (नुआंव), अंजू पाल (शिवदासपुर), रेनू विश्वकर्मा (अलाउद्दीनपुर), अनीता (सरायडंगरी), रेखा (बच्छांव), संतोष (भिटी), राधा देवी (नरोत्तमपुर) व चिंता देवी (मूड़ादेव) शामिल रहीं।

भारतीय वायुसेना की बढ़ेगी ताकत, रक्षा मंत्रालय का बीईएल के साथ 3700 करोड़ रुपये का करार

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना की निगरानी, पहचान और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 3700 करोड़ रुपये से अधिक के दो करार किए।

इनमें पहला समझौता 2800 करोड़ रुपये अधिक है। यह वायुसेना के लिए मध्यम शक्ति रडार (एमपीआर) अरुधरा की आपूर्ति का है। जबकि दूसरा अनुबंध करीब 950 करोड़ रुपये का है, जो 129 डीआर-118 रडार चेतावनी प्राप्तकर्ता (आरडब्ल्यूआर) का है। ये दोनों परियोजनाएं आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी रूप से डिजाइन विकसित और निर्मित श्रेणी के तहत हैं। ये अनिवार्य रूप से आत्मनिर्भर भारत की भावना के प्रतीक हैं और देश को रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की सोच को साकार करने में सहायता करेंगे।

एमपीआर (अरुधरा) रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इस रडार को स्वदेशी रूप से डिजाइन व विकसित किया है। इसका निर्माण बीईएल करेगी। पहले ही इसका सफल परीक्षण वायुसेना कर चुकी है।

यह हवाई लक्ष्यों की निगरानी और पता लगाने के लिए दिगंश व उन्नयन, दोनों में इलेक्ट्रॉनिक स्टीयरिंग के साथ एक 4डी मल्टी-फंक्शन चरणबद्ध ऐरे रडार है। इस प्रणाली में एक साथ स्थित चिन्हित मित्र या शत्रु प्रणाली से पूछताछ के आधार पर लक्ष्य की पहचान होगी। यह परियोजना औद्योगिक वातावरण में विनिर्माण क्षमता के विकास के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगी।

129 डीआर-118 आरडब्ल्यूआर : 129 डीआर-118 रडार वार्निंग रिसीवर सुखोई-30 एमकेआई विमान की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) क्षमताओं में काफी बढ़ोतरी करेगा। इसके अधिकांश उपसंयोजन और पुर्जे स्वदेशी निर्माताओं से हासिल किए जाएंगे।

यह परियोजना एमएसएमई सहित भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और संबद्ध उद्योगों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के साथ उसे प्रोत्साहित करेगी। इसके अलावा यह साढ़े तीन साल की अवधि में लगभग दो लाख मानव-दिवस का रोजगार पैदा करेगी।

डीआर-118 आरडब्ल्यूआर स्वदेशी ईडब्ल्यू क्षमताओं को विकसित करने और देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है।

पीएम मोदी 14 अप्रैल को असम में एम्स का उद्घाटन करेंगे

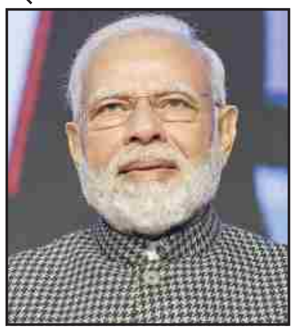

गुवाहाटी, 23 मार्च (एजेन्सी)। गुवाहाटी के पास चांगसारी में बनने वाला अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) लगभग तैयार हो चुका है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को इसका उद्घाटन करेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा गुरुवार को तैयारियों की समीक्षा करने के लिए वहां गए।

समीक्षा के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा, 'अस्पताल में निर्माण का कार्य जोरों पर चल रहा है। इसके अलावा, यहां कम से कम 18 विभाग काम कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल को राज्य के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे।

गिनीज बुक रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने के उद्देश्य से असम सरकार ने इस बार 14 अप्रैल को रोंगाली बिहू मनाने के लिए एक विशेष नृत्य प्रदर्शन का आयोजन किया है। इसके लिए कम से कम 10 हजार कलाकार बिहू नृत्य में भाग लेंगे।

उस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री भी शामिल होने वाले हैं।

गुरुवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत भी चांगसारी में हिमंत बिस्व सरमा के साथ मौजूद थे, जिन्होंने निर्माणाधीन एम्स में चल रहे काम के बारे में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लेने के लिए स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों से बातचीत की।

अमित शाह की निगरानी में किया जाएगा 1235 करोड़ का ड्रग्स नष्ट

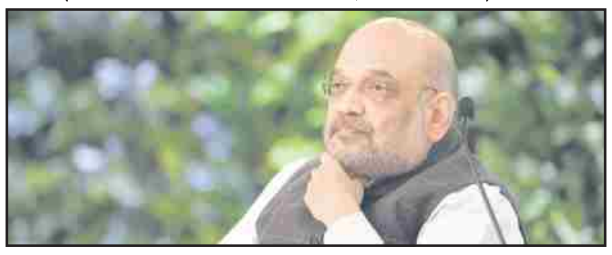

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को कर्नाटक के बेंगलुरु में मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।

सम्मेलन में 5 दक्षिणी राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री बैठक के दौरान 1,235 करोड़ रुपये मूल्य के 9,298 किलोग्राम जब्त ड्रग्स को नष्ट करने की निगरानी भी करेंगे।

जानकारी के मुताबिक बैठक के दौरान, समुद्री मार्ग से मादक पदार्थों की तस्करी को कम करने के तरीके, मादक पदार्थों के तस्करों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई, शून्य सहिष्णुता, राज्य और केंद्रीय दवा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय/सहयोग और प्रसार जैसे पहलुओं पर जोर दिया जाएगा।

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नशा मुक्त भारत बनाने के लिए ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। दरअसल आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 1 जून, 2022 से शुरू हुए 75 दिवसीय अभियान के दौरान 75,000 किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट करने का लक्ष्य रखा गया था। अब तक लक्ष्य से ज्यादा 5,94,620 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थ जिसकी कीमत 8,409 करोड़ रुपये है को अब तक नष्ट कर दिया गया है। इन नष्ट किए गए ड्रग्स में से 3,138 करोड़ रुपये मूल्य के 1,29,363 किलोग्राम ड्रग्स को अकेले एनसीबी ने नष्ट किया है।

गृह मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने संस्थागत संरचना को मजबूत करने, सभी नारकोटिक्स एजेंसियों के सशक्तिकरण और समन्वय और नशीले पदार्थों पर नकेल कसने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान के लिए त्रि-आयामी सूत्र अपनाया है। इनमें नशीले पदार्थों के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी राज्यों को नियमित रूप से जिला-स्तरीय और राज्य-स्तरीय एनसीओआरडी की बैठक बुलानी चाहिए।

वहीं नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में नवीनतम तकनीक का उपयोग आगे का रास्ता होना चाहिए और अफीम की खेती करने वाले क्षेत्रों की पहचान और नियंत्रण के लिए ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सैटेलाइट मैपिंग का उपयोग सावधानी से किया जाना चाहिए। वहीं पूरे नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए इसके सोर्स से लेकर डेस्टिनेशन तक ड्रग्स के मामलों की गहन जांच की जानी चाहिए।

भाजपा पर हमलावर हुई कांग्रेस, कहा- राहुल गांधी से डरती है यह सरकार

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसी)। सूरत ज़िला कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दोषी करार दिए जाने पर लगातार कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने राहुल गांधी को मिली 2 साल की सजा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी सरकार राहुल गांधी से डरती है इसलिए उनकी सदस्यता खत्म करने की साजिश की जा रही है।

संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी से डर की वजह से उन्हें हर तरह से दबाने की कोशिश की जा रही है लेकिन राहुल गांधी डरने वाले नहीं हैं। दो साल क्या उनको दो हजार साल भी जेल की सलाखों के पीछे रख दो तो भी राहुल गांधी, राहुल गांधी ही रहेंगे।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी ने तो सिर्फ इतना ही कहा था कि जहां भी इल्जाम लग रहे हैं, वहां सिर्फ मोदी का ही नाम (सरनेम) क्यों आ रहा है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तो सदन में यह कहा था कि नेहरू सरनेम के बदले गांधी सरनेम क्यों आ रहा है, क्या उनके खिलाफ गांधी सरनेम वाले व्यक्ति मुकदमा कर सकते हैं?

सूरत ज़िला कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दोषी करार दिए जाने पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बोले, उन्हें ज़मानत मिल गई है। ये लोग पहले जज को बदलते गए,हमें अंदाज़ा लग रहा था लेकिन हम कानून में विश्वास रखने वाले लोग हैं क़ानून के तहत ही हम लड़ेंगे।

कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को कहा कि सांसद राहुल गांधी को सूरत की जिला अदालत द्वारा मानहानि के मामले में दो साल की सजा सुनाना, न्यायपालिका को प्रभावित करने का प्रयास है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, मीडिया को दबाने और न्यायपालिका को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। वे इस स्तर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने अशोक गहलोत ने कहा, हमारा लोकतंत्र खतरे में है, क्योंकि न्यायपालिका, ईसीआई, ईडी पर दबाव है और उनका दुरुपयोग किया जाता है। सभी फैसले प्रभाव में किए जाते हैं। इस तरह की टिप्पणियां आम हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी साहसी हैं और केवल वही एनडीए सरकार का मुकाबला कर सकते हैं।

गौरतलब है कि बीजेपी विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ उनकी टिप्पणी सभी चोरों का उपनाम मोदी क्यों है? पर केस दर्ज कराया था।

गुजरात की सूरत जिला अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2019 में उनकी 'मोदी सरनेम' टिप्पणी को लेकर मानहानि के मामले में दोषी ठहराया।

राहुल गांधी को भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत दोषी ठहराया गया। इस धारा के तहत अधिकतम सजा दो साल की सजा है। हालांकि, राहुल गांधी के वकील ने कहा कि कोर्ट ने मामले में राहुल को अपील के अधिकार की अनुमति देते हुए दो साल की सजा को घटाकर 30 दिन कर दिया है और जमानत दे दी है।

बिहार में सम्राट चौधरी के हाथों बीजेपी की कमान, पार्टी ने राजस्थान, दिल्ली और ओडिशा के भी बदले प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पाला बदलने के बाद अपनी जमीन मजबूत करने की जद्दोजहद में जुटी बीजेपी ने प्रदेश इकाई का कमान सम्राट चौधरी के हाथों सौंप दी है। वहीं, चुनावी प्रदेश राजस्थान में बीजेपी की अगुवाई सीपी जोशी करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को चार राज्यों में अपना नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। इनमें दिल्ली के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेव का प्रमोशन करके पूर्ण अध्यक्ष जबकि ओडिशा के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता मनमोहन सामल को प्रदेश इकाई की कमान सौंपी गई है। बीजेपी महासचिव अरुण सिंह की ओर से इस संबंध में अलग-अलग विज्ञप्तियां जारी की गई हैं। सिंह ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन नियुक्तियों को हरी झंडी दी है और यह तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

कुशवाहा (अन्य पिछड़ा वर्ग) समाज से आनेवाले सम्राट चौधरी बिहार के दिग्गज नेता रहे शकुनी चौधरी के पुत्र हैं। शकुनी चौधरी सात बार विधायक रहे हैं। वह बिहार भाजपा अध्यक्ष के रूप में संजय जायसवाल की जगह लेंगे। सम्राट चौधरी बिहार भाजपा के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह 1999 में कृषि मंत्री और 2014 में शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। चौधरी 54 वर्ष के हैं और 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद उनके कद में लगातार इजाफा हुआ है। कभी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के करीबी रहे, सम्राट चौधरी ने वर्ष 2014 में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) छोड़कर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का दामन थाम लिया था।

उधर, ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले सीपी जोशी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भारी मतों से जीत दर्ज की और दूसरी बार संसद पहुंचे। वह राजस्थान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सतीश पूनिया की जगह लेंगे। जोशी कभी राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बेहद करीबी माने जाते थे। हालांकि उनके बारे में पार्टी के एक वर्ग का मानना है कि वह राजस्थान में भाजपा के किसी गुट के नहीं हैं। पूनिया के वसुंधरा से कभी अच्छे संबंध नहीं रहे। राजस्थान में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। प्रदेश भाजपा के एक नेता ने कहा कि उनकी नियुक्ति इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे गुलाब चंद कटारिया को राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया है। लिहाजा उदयपुर संभाग में उनकी कमी को पूरा करने के लिए भाजपा को एक मजबूत नेता की जरूरत है ताकि आगामी चुनावों में पार्टी को इन क्षेत्रों में कोई नुकसान ना हो।

दिल्ली में वीरेंद्र सचदेवा को पिछले साल दिसंबर में दिल्ली भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। दिल्ली नगर निगम चुनाव में बीजेपी को मिली हार के बाद आदेश गुप्ता ने नैतिकता के आधार पर प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ दिया था। तब पार्टी ने उनकी जगह वीरेंद्र सचदेवा को प्रदेश अध्यक्ष का प्रभार सौंप दिया था। कार्यकारी अध्यक्ष का पद संभालने के बाद सचदेवा दिल्ली में बेहद सक्रिय रहे हैं और उन्होंने केजरीवाल सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भाजपा नेताओं के मुताबिक पंजाबी समुदाय से आने वाले सचदेवा को उनके कार्य का इनाम दिया गया है।

वहीं, मनमोहन सामल ओडिशा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में समीर मोहंती का स्थान लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मोहंती का तीन साल का कार्यकाल इसी साल जनवरी में समाप्त हुआ था। सामल पूर्व में भी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वह प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री और राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं।

एसडीएफ नेता पर हमले के आरोप में चार गिरफ्तार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 मार्च। गुरुवार को सदर पुलिस ने 11 मार्च को एसडीएफ पार्टी के पश्चिमी जिले के प्रभारी महासचिव ताशी ग्यात्सो पर हमला करने के आरोप में कम से कम चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान प्रेम कुमार राई, बीरेंद्र सुब्बा, पेमा सामदुप और पेमा भूटिया के रूप में हुई है। इसके अलावा, पुलिस अन्य अपराधियों की तलाश कर रही है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के सदस्यों पर हमलों की एक श्रृंखला में, पश्चिम जिले के पार्टी महासचिव ताशी ग्यात्सो पर 11 मार्च को हमला किया गया था और उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। घटना शाम करीब साढ़े चार बजे इंदिरा बायपास मार्ग स्थित एसडीएफ मुख्यालय के पास हुई।

यह एसडीएफ के प्रेस-प्रचार और सोशल मीडिया के उपाध्यक्ष रमेश राई के 22 फरवरी को उनके आवास पर सत्ताधारी पार्टी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के गुंडों द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने के कुछ ही हफ्तों बाद हुआ था। राई को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सूत्रों ने दावा किया है कि पिछले महीने सिक्किम में एसडीएफ सदस्यों पर इस तरह के कई हमले हुए हैं। पार्टी ने एसकेएम पर इन हमलों के पीछे होने का आरोप लगाया है, लेकिन सत्तारूढ़ दल ने किसी भी संलिप्तता से इनकार किया है।

लाइब्रेरियनों के लिए 3 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 मार्च। राज्य के सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी विद्यालयों के लाइब्रेरियनों के लिए एससीईआरटी सिक्किम द्वारा गत 20 से 22 मार्च तक आयोजित 3 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह राज्य में स्कूली लाइब्रेरियनों के लिए आयोजित किया गया पहला उन्मुखीकरण कार्यक्रम था जिसमें सभी छह जिलों के सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी विद्यालयों के लाइब्रेरियनों के अलावा गंगटोक, नामची एवं गेजिंग डाइट के 46 लाइब्रेरियनों ने हिस्सा लिया।

एससीईआरटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र के दौरान राज्य के शिक्षा सलाहकार एमपी सुब्बा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से स्कूलों एवं विद्यार्थियों की बेहतरी हेतु अधिक उत्साह के साथ काम करने और प्रशिक्षण से प्राप्त विशेषज्ञता एवं अनुभव का कार्यान्वित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में एससीईआरटी निदेशक डॉ. राबिन छेत्री के साथ संयुक्त एससीईआरटी निदेशक, रिसोर्स पर्सन, एससीईआरटी फैकल्टी और प्रतिभागी उपस्थित थे।

एससीईआरटी निदेशक डॉ. राबिन छेत्री ने इस अवसर पर आयोजन टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और एससीईआरटी के अनुसंधान प्रभाग को राज्य में लाइब्रेरियों की स्थिति पर अध्ययन करने का सुझाव भी दिया। वहीं डिकलिंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लाइब्रेरियन जगदीप सुब्बा ने प्रतिभागियों की ओर से फीडबैक प्रस्तुत करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एससीईआरटी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान तादोंग नर बहादुर भंडारी डिग्री कॉलेज की लाइब्रेरियन श्रीमती सांगे ल्हामू भूटिया, सिक्किम विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ. श्रीराम और सहायक लाइब्रेरियन डॉ. सरबदा प्रधान रिसोर्स पर्सन के रूप में शामिल थे। इनलोगों ने प्रशिक्षण के तीन दिनों में प्रतिभागियों को फाइव लॉ लाइब्रेरी, किताबों के वर्गीकरण, लाइब्रेरी रजिस्टर के रखरखाव, पढ़ने की आदत का विकास, स्कूल लाइब्रेरियन के व्यावसायिक विकास और छात्रों की करियर काउंसलिंग जैसे विषयों पर जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम संयुक्त एससीईआरटी निदेशक डॉ. शांतिराम अधिकारी द्वारा परिकल्पित और सहायक प्रोफेसर पारिजात सूत्रधर तथा फैकल्टी श्रीमती निकिता गुरुंग द्वारा समन्वयित किया गया था।

छह वर्षों में साढ़े पांच लाख से ज्यादा युवाओं को दी नौकरी : सीएम योगी

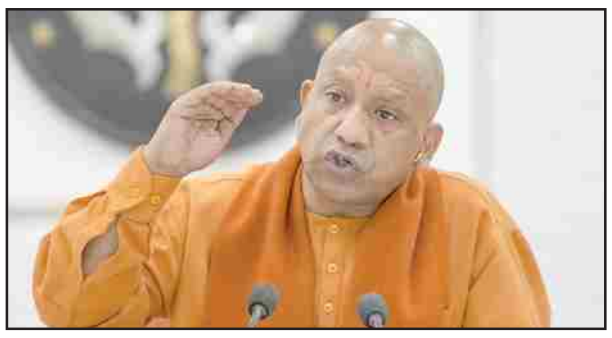

लखनऊ, 23 मार्च (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार ने कहा कि पिछले छह वर्षों में साढ़े पांच लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी है। मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना से उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में 43 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है।

सीएम योगी गुरुवार को लोकभवन में आयोजित लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के नवचयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण एवं ई-अधियाचन पोर्टल का उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लगभग 500 नवचयनित युवा अधिकारियों को नवरात्रि के शुभ अवसर पर नियुक्ति पत्र मिलने पर राज्य शासन की ओर से शुभकामनाएं एवं बधाई दी। सीएम योगी ने कहा कि 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने एक नई छलांग लगाई है। छह वर्ष पहले इन्हीं नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। अब इन युवाओं को देश के किसी भी राज्य में अपने राज्य के बारे में बताने से कोई हिचक नहीं होती। कहा कि प्रदेश में एक तरफ जहां शासकीय सेवाओं में नियुक्ति प्रक्रिया चलाई जा रही है, वहीं दूसरी तरफ निजी क्षेत्र में भी नौजवानों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन रोजगार युवाओं के सपने को उड़ान देने वाला है।

सीएम योगी ने कहा कि ये वही राज्य है जहां विकास के कार्यों में माफिया हावी होते थे। नियुक्ति और ट्रांसफर प्रक्रिया ताश के पत्तों की तरह फेंटी जाती थी। ये वही प्रदेश है जहां हर तीसरे दिन दंगा होता था। निवेश नहीं आता था। निवेशक अपने संस्थान बंद करके जाने लगे थे। कोई नहीं मानता था कि यूपी कभी सुधरेगा, लेकिन आज तस्वीर बदली है। अब गांव और शहर हर क्षेत्र में बदलाव देखने को मिल रहा है। युवा शक्ति जो पलायन करने पर मजबूर थी,आज जब उन्हें अपने प्रदेश में सम्मान मिल रहा है तो बदली हुई तस्वीर हम सबके सामने है।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले छह वर्षों में हमारी सरकार ने एक करोड़ 61 लाख से ज्यादा युवाओं को रोजगार देने में सफल रही है। 60 लाख से ज्यादा युवा उद्यमियों को अपना स्टार्टअप,अपना काम शुरू करने के लिए सहायता प्रदान की गई है। आज वो बहुत अच्छे ढंग से अपना कार्य कर रहे हैं। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से सरकार की अपेक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि इसका ध्यान रखें कि जनता को आप के कार्यों का लाभ मिले। हमको जनसुनवाई के लिए तैयार होना होगा। सरकारी सेवा के आने वाले दस वर्ष आपके कार्यों का आधार साबित होंगे। इन वर्षों में आप अपना व्यवहार जन भावनाओं के अनुरूप बनाएंगे तो सरकारी सेवा का भवन उतना ही मजबूत होगा।

ललितपुर की रहने वाली स्टांप और पंजीयन विभाग के उप निबंधक के तौर पर नियुक्ति पाने वाली अभिलाषा सिंह ने परीक्षा से लेकर चयन तक अपनाई गई पारदर्शिता पर सीएम योगी और आयोग को धन्यवाद दिया।

खगरिया बिहार के रहने वाले ग्राम्य विकास विभाग में खंड विकास अधिकारी के तौर पर नियुक्त हुए मोहम्मद आसिफ अखलाक ने कहा कि मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांत अंत्योदय से सर्वोदय पर चलते हुए सतत विकास की दिशा में अपना योगदान दूंगा।

उन्होंने कहा कि खंड विकास अधिकारी के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य करूंगा।

गाजीपुर की रहने वाली राजस्व विभाग में नायब तहसीलदार के तौर पर नियुक्त हुई पुष्पा यादव ने कहा कि हमारा चयन पूर्ण रूप से समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हुआ है। इसके लिए उन्होंने सीएम योगी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नायब तहसीलदार के पद पर रहते हुए भू अभिलेखों का रखरखाव एवं भू संबंधी विवादों का निस्तारण मैं पूरी ईमानदारी से करने का प्रयत्न करूंगी।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR PADMA MORNING
THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:121 DrawDate on:23/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 71A 63749
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 63749 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
21432 37051 38670 39007 41178 69055 89776 93274 94723 99370
3rd Prize ₹450/-
1059 1086 1586 2196 3892 5498 5750 7890 8040 9725
4th Prize ₹250/-
1555 1822 2280 4314 6680 7322 7584 9248 9271 9549
5th Prize ₹120/-
0049 0123 0205 0215 0350 0535 0611 1138 1314 1437
1482 1595 1610 1675 1680 1741 1801 2204 2206 2322
2384 2496 2503 2931 3091 3160 3230 3349 3358 3510
3535 3580 3692 3773 3782 3903 4092 4253 4349 4428
4448 4486 4632 5044 5174 5176 5296 5452 5543 5566
5595 5660 5705 5762 5836 5998 6057 6175 6192 6213
6259 6299 6324 6414 6466 6756 6949 6956 7008 7012
7088 7302 7311 7363 7465 7585 7648 7672 7675 7914
8240 8243 8417 8419 8570 8618 8655 8678 8713 8961
9151 9169 9454 9608 9663 9686 9798 9819 9878 9949
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR VENUS THURSDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:121 DrawDate on:23/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 81L 14573
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 14573 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
04636 05902 37360 44315 50322 60284 62357 64875 83788 87116
3rd Prize ₹450/-
0062 0293 4029 5267 6985 7490 8163 8938 9021 9997
4th Prize ₹250/-
0032 0184 0550 1471 1634 6189 6351 6445 7550 7851
5th Prize ₹120/-
0236 0350 0473 0479 0498 0510 0557 0608 0753 0764
1000 1216 1298 1430 1597 1620 1644 1726 2148 2151
2229 2335 2353 2550 2744 2748 2910 3002 3071 3116
3162 3208 3264 3351 3436 3752 4293 4545 4553 4645
4678 4739 4771 5065 5073 5160 5179 5253 5271 5291
5297 5351 5417 5531 5770 5863 6003 6049 6054 6156
6186 6218 6253 6258 6419 6629 6700 6782 6926 7110
7253 7389 7420 7523 7536 7546 7549 7574 7589 7613
7695 7709 7772 8003 8105 8107 8140 8236 8431 8496
8612 8728 8815 8891 8910 9053 9195 9583 9758 9978
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FALCON EVENING
THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:221 DrawDate on:23/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 86G 14683
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 14683 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08777 12263 14866 18926 27509 31680 50724 58858 70541 78311
3rd Prize ₹450/-
0547 3113 3929 4402 5539 5777 5836 6810 8408 8772
4th Prize ₹250/-
1150 1550 2050 2077 2353 2908 3140 3432 7639 8655
5th Prize ₹120/-
0171 0192 0218 0426 0554 0654 0665 0722 0725 0881
0933 0961 0997 1256 1329 1378 1419 1420 1442 1883
1992 2175 2417 2455 2613 2677 2742 2863 2879 2900
2971 3000 3001 3625 3689 3731 3839 4008 4014 4093
4096 4123 4129 4154 4218 4234 4258 4324 4513 4523
4589 4834 4909 5057 5085 5103 5223 5257 5335 5342
5365 5525 5595 5671 5848 6105 6137 6319 6366 6436
6477 6886 6914 7038 7329 7344 7406 7567 7592 7764
7927 7958 8045 8176 8188 8193 8557 8559 8586 8637
8811 8877 8901 8943 9105 9110 9342 9570 9681 9899
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

गरिमा के साथ मौत!

मौत की सजा पर अमल का सबसे अच्छा तरीका क्या हो सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मंगलवार को इस सवाल पर चर्चा कराने को कहकर ऐसी बहस शुरू कर दी, जिसकी सभ्य समाज में हमेशा जरूरत रहती है। वैसे, यह एक जटिल मसला इस तरह से भी है कि मौत की सजा का तरीका तय करना न्यायपालिका की नहीं विधायिका की जवाबदेही मानी जाती है। शायद, इसीलिए शीर्ष अदालत ने भी साफ किया कि वह इस मामले में कोई आदेश नहीं जारी करने जा रही कि मौत की सजा का कौन सा तरीका तय किया जाए। लेकिन यह सवाल उसके सामने आ गया है, इसलिए यह देखना जरूरी है कि मौत की सजा देने का मौजूदा तरीका कानून और संविधान की कसौटियों पर खरा उतरता है या नहीं। गले से लटकाकर फांसी देने के मौजूदा तरीके को सुप्रीम कोर्ट ने पिछली बार 1983 में सही बताया था, लेकिन तब से विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जितनी प्रगति हो चुकी है, उसके मद्देनजर इस सवाल पर फिर से विचार करना बनता है। दुनिया के अन्य देशों की स्थिति पर नजर डालें तो उधर से भी इस जरूरत की पुष्टि होती है। बल्कि, बहस तो इस बात पर भी है कि मौत की सजा होनी ही क्यों चाहिए।

दुनिया के ज्यादातर देश इससे तौबा कर चुके हैं। तर्क यह है कि सजा का मकसद अपराधी को तकलीफ देना नहीं, सुधार का मौका मुहैया कराना होना चाहिए। अगर किसी अपराधी में सुधार की उम्मीद नहीं दिख रही हो और उसके समाज में रहने से अन्य लोगों को खतरा हो तो उसे उसकी जिंदगी के अंतिम पल तक कैद में रखा जा सकता है। बहरहाल, हर देश और समाज अपने हिसाब से तय करता है कि मौत की सजा रखी जाए या नहीं। अपने देश में भी यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामलों में ही दी जाती है। लेकिन जिन मामलों में भी सजा दी जाए, उनमें इस तरह से दी जाए कि मानवीय गरिमा का किसी भी रूप में उल्लंघन न हो। सुप्रीम कोर्ट की ताजा पहल ने हमारे न्यायतंत्र में निहित इस कसौटी की अनिवार्यता को एक बार फिर रेखांकित किया है। इसका नतीजा चाहे जो भी हो- तमाम पहलुओं से अध्ययन के बाद फांसी की मौजूदा प्रक्रिया को सबसे कम तकलीफदेह माना जाए या फिर किसी अन्य उपाय को- मृत्यु की गरिमा के सिद्धांत की पुष्टि होनी तय है। अगर किसी अन्य उपाय को बेहतर पाया जाता है तो मौजूदा तरीका असंवैधानिक घोषित हो जाएगा। उसके बाद विधायिका नए तरीके की पुष्टि कर सकती है। आज के दौर में जब अपने देश में, कई कारणों से, अपराधियों का सीधे एनकाउंटर कर देने का विमर्श जोर पकड़ता दिख रहा है, उम्मीद की जाए कि शीर्ष अदालत की यह पहल हमें इंसाफ की कसौटियों को लेकर ज्यादा जागरूक बनाएगी।

'मेक इन इंडिया' के तहत पूरी दुनिया के लिए भारतीय उत्पाद निर्माण की ओर एक कदम

पीयूष गोयल
केंद्रीय मंत्री

प्राचीन काल से चली आ रही भारतीय वस्त्रों की समृद्ध परंपरा, एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है, जो देश को एक वैश्विक निवेश, विनिर्माण और निर्यात केंद्र बना देगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सात पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क के निर्माण की घोषणा की है। ये मेगा टेक्सटाइल पार्क 4,445 करोड़ रुपये के परिव्यय से निर्मित किए जाएंगे। इस क्षेत्र की अवसंरचना के लिए, यह अब तक की सबसे बड़ी पहल होगी।

प्रधानमंत्री के 5एफ विजन (खेत से फाइबर से फैक्टरी से फैशन से विदेश तक) से प्रेरित होकर, पीएम मित्र पार्क योजना; आत्मनिर्भर भारत और 'वोकल फॉर लोकल' पहल को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ये मेगा पार्क इस क्षेत्र को 2030 तक 250 बिलियन डॉलर के कारोबार और 100 बिलियन डॉलर के निर्यात के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगे।

मेगा टेक्सटाइल पार्क वस्त्र क्षेत्र में व्यापक बदलाव करेंगे और प्रत्येक स्थल पर विश्व स्तरीय सुविधाओं, अत्याधुनिक अवसंरचना और एकीकृत मूल्य श्रृंखला की मदद से वैश्विक चैंपियन तैयार करेंगे। निर्माण और विकास करने वाली एक प्रमुख कंपनी का चयन किया जाएगा, जो पीएम मित्र पार्क की डिजाइन, योजना, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होगी। यह उद्योग के लिए एक बड़ी छलांग है, क्योंकि मूल्य श्रृंखला वर्तमान में पूरे देश में बिखरी हुई है, जो श्रृंखला के प्रत्येक संपर्क-बिंदु पर लागत और विलंब में वृद्धि करती है।

भारतीय उद्योग विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन जायेंगे, क्योंकि पार्क उत्पादन बढ़ाने, लागत में कटौती करने, दक्षता में सुधार करने और उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्रों व परिधानों की आपूर्ति में मदद करेंगे।

ये मेगा पार्क रोजगार के लगभग 20 लाख प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष अवसरों का सृजन करेंगे और अनुमानित 70,000 करोड़ रुपये के घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करेंगे। ये मेगा पार्क शून्य द्रव रिसाव, साझा अपशिष्ट शोधन संयंत्र, उत्सर्जन मुक्त नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों को अपनाने के साथ, सतत विकास के शानदार उदाहरण होंगे। ये मेगा पार्क ऐसे उत्पादों के निर्माण करने के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप हैं जिनमें कोई खामी न हो और पर्यावरण पर जिनका कोई दुष्प्रभाव न हो।

यह रेखांकित करना प्रासंगिक है कि सदियों से, भारतीय वस्त्रों ने वैश्विक पहचान बनाई है, लेकिन दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों द्वारा इस क्षेत्र को काफी अनदेखा किया गया। यह प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता थी, जिसके तहत वस्त्र क्षेत्र के लिए पीएम मित्र योजना शुरू की गयी है। भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य आधारों में से एक- वस्त्र क्षेत्र, भारतीय निर्यात का एक अहम हिस्सा है और इस क्षेत्र में साधारण किसानों से लेकर शहर के संपन्न निवासियों व व्यापार जगत के अग्रणी लोग तक शामिल हैं। वस्त्र क्षेत्र लाखों लोगों के लिए आजीविका का स्रोत है।

पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिए 13 राज्यों से 18 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सात मेगा पार्कों का चयन किया गया, जिन्हें पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय अवसंरचना मास्टरप्लान द्वारा मान्यता दी गयी थी। यह सहयोगी संघवाद का एक और उदाहरण है, क्योंकि केंद्र और संबंधित राज्य, दोनों ही विशेष प्रयोजन कंपनी (एसपीवी) के भागीदार होंगे, जो इन मेगा पार्कों की स्थापना और प्रबंधन करेगी।

इन पार्कों की स्थापना हेतु राज्य सरकारें कम से कम 1,000 एकड़ भूमि उपलब्ध करायेंगी। राज्य सरकारें उत्पादन प्रक्रिया के सुचारु संचालन एवं व्यापार करने में आसानी को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अनुकूल व स्थिर नीतिगत व्यवस्था के साथ-साथ बिजली एवं पानी की आपूर्ति तथा कचरे के निपटारे की एक भरोसेमंद व्यवस्था तथा एकल खिड़की मंजूरी की एक कारगर सुविधा भी प्रदान करेंगी।

इन मेगा पार्कों में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे एवं ख्लग-एंड-ख्ले सुविधाओं के साथ-साथ वस्त्र उद्योग के लिए आवश्यक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संबंधी सहायता भी उपलब्ध होंगी। ये पार्क एक ऐसा अनूठा मॉडल पेश करेंगे जहां केन्द्र और राज्य सरकारें निवेश बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोजगार सृजित करने और वस्त्र के क्षेत्र में भारत को दुनिया में अग्रणी बनाने हेतु मिलकर काम करेंगी।

वस्त्र उद्योग ने सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के प्रति उत्साहवर्द्धक प्रतिक्रिया दी है। सरकार द्वारा यह पहल सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद शुरू की गई है। सीआईआई और फिक्की जैसे शीर्ष उद्योग संगठनों के साथ-साथ वस्त्र क्षेत्र से जुड़े प्रमुख उद्योग संघों ने पीएम मित्र मेगा पार्कों की स्थापना की घोषणा की सराहना की है।

उद्योग संगठनों ने यह उम्मीद व्यक्त की है कि अपेक्षाकृत कम लॉजिस्टिक्स लागत, आधुनिक बुनियादी ढांचा, वैश्विक स्तर पर व्यापार की संभावनाएं और केन्द्र एवं राज्य सरकारों की सहायक नीतियां भारतीय वस्त्र उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगी और भारतीय व विदेशी उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध करायेंगी।

वस्त्र मंत्रालय इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा। मंत्रालय प्रत्येक पार्क के एसपीवी को विकास हेतु पूंजीगत सहायता के रूप में ग्रीनफील्ड पार्कों के लिए 500 करोड़ रुपये और ब्राउनफील्ड पार्कों के लिए 200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा, वह कार्यान्वयन को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रत्येक पार्क में स्थित इकाइयों को 300 करोड़ रुपये तक की राशि प्रदान करेगा। यह कदम अतिरिक्त प्रोत्साहन देने हेतु अन्य सरकारी योजनाओं के साथ समन्वय की सुविधा भी प्रदान करेगा।

पीएम मित्र के प्रावधान वैसे मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए सरकार की विभिन्न पहल के साथ सामंजस्य बिठाते हैं, जो विकसित बाजारों में हमारे भारतीय वस्त्रों, परिधानों तथा कई अन्य क्षेत्रों के लिए व्यापार की संभावनाओं को बेहतर बनाते हैं। भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात एवं ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है और कनाडा, ब्रिटेन एवं यूरोपीय संघ के साथ इस संबंध में बातचीत कर रहा है। इन प्रयासों से भारतीय वस्त्रों को लाभकारी विकसित बाजारों में अपनी पैठ मजबूत करने में मदद मिलेगी और वस्त्र एवं परिधान के वैश्विक व्यापार में देश की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

भारत की गिनती पहले ही दुनिया के सबसे बड़े वस्त्र एवं परिधान निर्यातक देशों में से एक के रूप में होती है। लेकिन अब जबकि देश 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक एवं दूरदर्शी नेतृत्व में एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, अमृत काल में हमारी आकांक्षा दुनिया का सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक देश बनने की है। पीएम मित्र के जरिए हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

(लेखक, केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा वस्त्र मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता हैं)

नियामक व्यवस्था से बरकरार है विश्वास

अजय बग्गा

पिछले दो हफ्तों में अमेरिका और यूरोपीय बैंकों में काफी तनाव देखा गया है। पिछले एक पखवाड़े की खबरों और बाजार की भावनाओं के उतार-चढ़ाव ने बैंक जमाकर्ताओं और निवेशकों, दोनों के मन में भारी अनिश्चितता पैदा कर दी है।

सबसे पहले अमेरिका में सिल्वरगेट कैपिटल से परेशान करने वाले संकेत मिले। इसे बंद कर दिया गया। फिर कैलिफोर्निया स्थित सिलिकॉन वैली बैंक विफल हो गया और इसकी पूर्व मूल कंपनी ने खुद को दिवालिया घोषित कर दिया। नियामकों ने न्यूयॉर्क के सिग्नेचर बैंक को बंद कर दिया। क्रेडिट सुइस बैंक के शेयरों के सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंचने के बाद स्विस नेशनल बैंक ने उसे जीवनदान दिया। अमेरिकी बैंकिंग दिग्गजों ने फर्स्ट रिपब्लिक बैंक में 30 अरब डॉलर डाले। यह एक अन्य क्षेत्रीय अमेरिकी बैंक है, जिसने 70 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की जमाराशि वापस निकाली है। पिछले सप्ताहांत में स्विस सरकार और बैंकिंग नियामकों ने यूबीएस के साथ क्रेडिट सुइस को विलय के लिए मजबूर कर दिया। और यह सब लगभग 10 दिनों के भीतर हुआ।

अमेरिकी बैंकों को कुल 620 अरब डॉलर अप्राप्त घाटा होने का अनुमान है। इसकी तुलना 2022 में उनके 263 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक मुनाफे से करें। स्पष्ट रूप से, यह अमेरिकी और यूरोपीय बैंकों के लिए तरलता और लाभप्रदता का मुद्दा है। बाजार में उथल-पुथल के बावजूद यह बैंकिंग संकट की शुरुआत नहीं है। यह 1980 के दशक के बाद से ब्याज दर के सबसे तेज चक्र और मंदी के बढ़ते जोखिम के प्रति बाजार को जगाने वाला है।

वाल स्ट्रीट ने पिछले साल ही 2023 में मंदी की भविष्यवाणी की थी। इस क्षण का लंबे समय से अनुमान लगाया जा रहा था, और यह वर्षों बाद सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है, जिसमें पूंजी को गलत स्थानों पर भेजा गया हो। लेकिन कुछ हद तक दर्द अवश्यंभावी था, और जिन लोगों ने कम दरों और कम मुद्रास्फीति का सबसे अधिक लाभ उठाया, उन्हें सबसे अधिक नुकसान होगा। क्षेत्रीय अमेरिकी बैंक इस सूची में सबसे ऊपर हैं। सुरक्षा की चिंता में जमाकर्ता उनमें से पैसा निकाल कर बड़े अमेरिकी बैंकों में जमा कर रहे हैं।

सवाल उठता है कि बाकी अर्थव्यवस्थाओं के लिए अमेरिका और यूरोपीय बैंकों की समस्याएं कितनी हानिकारक होंगी। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में भारतीय जमाकर्ता और निवेशक पूछ रहे हैं कि क्या भारतीय बैंक सुरक्षित हैं? इसका संक्षिप्त उत्तर है-हां। भारतीय बैंक सुरक्षित हैं। इसके पांच प्रमुख कारण हैं-पहला कारण है कि भारत में मजबूत नियामक तंत्र है, जिसके तहत पिछले खराब ऋण संकट के बाद आरबीआई ने भारतीय बैंकों की बारीकी से निगरानी के लिए रूढ़िवादी उपाय किए हैं। दूसरा कारण है कि भारतीय बैंकों की जमा में खुदरा जमा का बड़ा हिस्सा है।

ये भारत में जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (डीसीआईजीसी) द्वारा प्रदान किए गए पांच लाख रुपये के जमा बीमा के तहत बीमाकृत हैं। इसलिए ये जमाकर्ता बैंक के विफल होने पर भी जमाराशि नहीं निकालेंगे, क्योंकि उन्हें पांच लाख रुपये के बीमा कवरेज से अपनी जमा राशि वापस मिलने का आश्वासन दिया गया है। इससे भारतीय बैंकों की बैलेंस शीट को काफी मजबूती मिलती है। तीसरा, भारतीय बैंकों में एसेट लायबिलिटी मैच्योरिटी (एएलएम) गैप बहुत कम है। इसका मतलब यह है कि भारतीय बैंक बारीकी से निगरानी करते हैं कि वे अपने ऋण और निवेश को कैसे वित्त पोषित कर रहे हैं और उनकी जमा राशि, उनके ऋण और उनके निवेश की परिपक्वता क्या है।

एक वर्ष से कम जमा बनाम एक वर्ष से कम धन का ऋण या निवेश में उपयोग की निगरानी यह सुनिश्चित करने के लिए की जाती है कि एएलएम से संबंधित कोई समस्या नहीं है, जिससे बैंकों को नुकसान हो सकता है। चौथा, भले ही पिछले साल से जारी रिजर्व बैंक की दरों में वृद्धि के कारण ब्याज दरों में 2.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, पर भारतीय बैंकों की बॉन्ड होल्डिंग्स अपेक्षाकृत छोटी है, जो उनकी कुल संपत्ति के लगभग 18 फीसदी एसएलआर होल्डिंग्स तक सीमित है। इसका मतलब है कि, अमेरिकी बैंकों की बैलेंस शीट में भारी घाटे के विपरीत, भारतीय बैंकों को दरों में बढ़ोतरी के कारण बहुत कम नुकसान होता है। यह जमाकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान करता है कि कोई छिपा हुआ, अप्राप्त नुकसान नहीं है, जो इन बैंकों को विफल कर सकता है।

भारत की घरेलू बैंकिंग प्रणाली अपनी अंतर्निहित ताकत और रिजर्व बैंक के सख्त विनियमन के कारण अछूती रहती है। भारतीय बैंकों की ताकत का पांचवां कारण यह है कि खराब ऋण अनुपात, जिसे गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) कहा जाता है, ऋण के पांच फीसदी तक नीचे आ गया है। पिछले कुछ वर्षों से उच्च जोखिम या कम रेटिंग वाली संस्थाओं का जोखिम कम हो रहा है। खराब ऋणों के लिए प्रावधान बनाए गए हैं और इन्सोल्वेंसी ऐंड बैंकरख्रसी कोड प्रक्रिया के जरिये बैंकों का ऋण न चुकाने वाले उधारकर्ताओं के खिलाफ दिवालियापन प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया जाता है। कुल मिलाकर, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र सुरक्षित है। हालांकि वित्त वर्ष 2024 में अर्थव्यवस्था की धीमी गति के कारण ऋण वृद्धि और मुनाफा मौजूदा स्तरों से थोड़ा कम होने की आशंका है, फिर भी भारतीय बैंक स्वस्थ बने रहेंगे। परिसंपत्ति गुणवत्ता संबंधी चिंताएं कम हुई हैं।

मॉर्गन स्टेनली ने हाल ही में लिखा कि, 'भारतीय बैंकों की बैलेंस शीट ऐतिहासिक रूप से पूंजी, परिसंपत्ति-गुणवत्ता और तरलता की दृष्टि से बहुत मजबूत हैं, कड़े नियमों से मदद मिली है- बड़े निजी बैंक अपने समकक्षों की तुलना में अधिक मजबूत दिखाई देते हैं। पिछले एक दशक के विपरीत, हम भारतीय बैंकों की मजबूत कमाई की उम्मीद करते हैं।' एस ऐंड पी ग्लोबल रेटिंग्स एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय ऋणदाता अमेरिकी बैंकिंग उथल-पुथल और संकटग्रस्त स्विस ऋणदाता क्रेडिट सुइस के यूबीएस के हाल के अधिग्रहण से उत्पन्न होने वाले किसी भी संभावित संक्रामक प्रभाव को सहन कर सकते हैं। एजेंसी ने कहा कि बढ़ती ब्याज दरों के कारण भारतीय बैंकों के पास अपने बड़े सरकारी प्रतिभूतियों के पोर्टफोलियो पर होने वाले नुकसान का सामना करने के लिए पर्याप्त बफर थे। वैश्विक वित्तीय संकट के बीच भारतीय बैंक नखलिस्तान बने हुए हैं। जमाकर्ताओं को स्थिति में किसी भी बदलाव के लिए सतर्क रहना चाहिए, लेकिन अभी भारतीय बैंकों या उनके जमा धारकों के लिए किसी डर का कोई कारण नहीं दिखता है।

आज देश के मतदाताओं पर सबसे ज्यादा प्रभाव राष्ट्रवाद के मसले का पड़ रहा है

संजय कुमार

हम भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ क्षण के गवाह बन रहे हैं, जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी ने संसद में गतिरोध उत्पन्न कर रखा है। वह राहुल गांधी से मांग कर रही है कि वे लंदन में कहे गए अपने कथित आपत्तिजनक कथनों के लिए क्षमायाचना करें।

जब तक राहुल माफी नहीं मांगेंगे, संसद नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी तरफ विपक्षी दल संसद के बाहर आंदोलन कर रहे हैं और अदाणी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति के गठन की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि प्रधानमंत्री के द्वारा गौतम अदाणी को अत्यधिक लाभ पहुंचाए गए, जिनके चलते एलआईसी जैसी कम्पनियों को खासा नुकसान हुआ है।

वहीं केंद्रीय एजेंसियां विभिन्न विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उनसे तफ्तीश कर रही हैं और उन्हें गिरफ्तार कर रही हैं। एजेंसियों के द्वारा जितने नेताओं से सवाल पूछे गए हैं, उन पर छापे मारे गए हैं या उन्हें जेल भेजा गया है, उनकी सूची बहुत लम्बी है। इसमें नवीनतम नाम दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का है।

विपक्षी दल लोगों को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा सरकार के द्वारा खासा भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिस पर अच्छी तरह से जांच-पड़ताल के लिए संयुक्त संसदीय समिति या जेपीसी का गठन करना जरूरी हो गया है।

केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करके सरकार भी उलटे यह दिखाना चाह रही है कि खुद विपक्षी नेता भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। लब्बोलुआब यह है कि आज भ्रष्टाचार का मुद्दा राजनीति में गर्म बना हुआ है, इसके बावजूद क्या यह 2024 के चुनाव परिणामों को प्रभावित करने वाला मसला बन सकता है? और अगर ऐसा होता है तो इसका सबसे ज्यादा फायदा किसे मिलेगा?

अतीत में कम से कम दो बार ऐसा हुआ है कि भ्रष्टाचार के मसले पर केंद्र में सरकार बदल गई है। लेकिन बीते एक दशक में देश में राजनीति का जो रंग-ढंग रहा है, उसमें अब विश्वास करना मुश्किल लगता है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा केंद्रीय महत्व का मुद्दा हो सकता है, जो 2024 में नरेंद्र मोदी को सत्ता से बेदखल कर सकता है।

इसके तीन कारण मुझे सूझते हैं। पहला तो यह कि राजनीति अब बदल गई है। मतदाता अब राष्ट्रवाद और नेतृत्वशीलता के मुद्दे पर ज्यादा लामबंद होते हैं और यह बात नरेंद्र मोदी के पक्ष में जाती है। दूसरे, अगर लोगों में भाजपा के कथित भ्रष्टाचार या अदाणी से कथित सांठगांठ को लेकर बेचैनी की स्थिति निर्मित हुई भी तो उनमें विपक्षी पार्टियों का ट्रैक रिकॉर्ड देखकर उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं जगती।

उन्हें नरेंद्र मोदी ही किसी भी विपक्षी नेता की तुलना में ज्यादा भरोसेमंद लगते हैं। लोग मानते हैं कि प्रधानमंत्री भले हमेशा सही कदम नहीं उठाते हों, लेकिन उनकी मंशा सही रहती है और वे निजी हित के बजाय देश के कल्याण के लिए परिश्रम करते हैं।

तीसरे, लोकनीति-सीएसडीएस सर्वेक्षण के परिणाम बताते हैं कि लोगों में बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार को लेकर बेचैनी जरूर है, लेकिन हाल ही में हुए विभिन्न विधानसभा चुनावों में इन मुद्दों का कोई प्रभाव नहीं नजर आया है। इसके बजाय वोटरों पर सबसे ज्यादा प्रभाव राष्ट्रवाद के मसले का पड़ा है।

वास्तव में हाल में जितने विपक्षी नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं और उन्हें जेल भेजा गया है, उसमें अगर नरेंद्र मोदी के अदाणी से मेलजोल के आरोप प्रमाणित भी होते हैं, तो भी वे स्वयं को दूसरों की तुलना में बेहतर स्थिति में ही पाएंगे। अगर विपक्षी दल 2024 में भ्रष्टाचार को एक अहम मसला बनाने जा रहे हैं तो इससे भाजपा को चिंतित होने की कोई जरूरत नहीं मालूम होती है।

जिन 13 राज्यों में हुए चुनावों के आधार पर सर्वेक्षण के निष्कर्ष निकाले गए हैं, उनमें से 12 ऐसे थे, जिनके मतदाताओं ने कहा कि उनके राज्य में भ्रष्टाचार पहले की तुलना में बढ़ा है। इनमें से छह राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टी ने फिर जीत दर्ज की।

इनमें उन राज्यों के वोटर शामिल थे, जिनका मानना था कि भ्रष्टाचार पहले की तुलना में बढ़ा है। अधिकतर मतदाताओं की चिंता विकास सम्बंधी कार्यों को लेकर थी। लेकिन भ्रष्टाचार और विकास के बिंदु पर चिंता जताने के बावजूद वोटरों ने सत्तारूढ़ दल के विरुद्ध वोट नहीं दिया।

1989 में बोफोर्स घोटाले की सुई राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी थी और 2014 में ऐसी धारणा निर्मित हो गई थी कि यूपीए सरकार गले-गले तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। इन दोनों ही अवसरों पर वोटरों ने केंद्र में सरकार बदल दी। लेकिन आज दूर-दूर तक वैसे हालात नजर नहीं आ रहे हैं।

अतीत में दो बार ऐसा हुआ कि भ्रष्टाचार के मसले पर केंद्र में सरकार बदल गई। लेकिन बीते दशक में राजनीति का जो रंग-ढंग रहा, उसमें विश्वास करना मुश्किल लगता है कि अब ऐसा होगा।

वरुण और जान्हवी की बवाल की सामने आई रिलीज डेट

वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर बवाल को लेकर लगातार दर्शकों के बीच बातें हो रही है। ये छिछोरे (जिसने बेस्ट हिंदी फीचर फिल्म का राष्टीय पुरस्कार जीता) के साथ सफल पारी दर्ज करा चुके फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला और नितेश तिवारी का साथ में अगला प्रोजेक्ट है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के एक्साइटमेंट लेवल को बरकरार रखते हुए अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। ये फिल्म 6 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ पुरस्कार विजेता निर्माता-निर्देशक की जोड़ी फिर से साथ आई है, जिसमें वरुण और जान्हवी की नई जोड़ी पहली बार एक दूसरे के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेगी। जनता का भरपूर मनोरंजन करने वाली यह फिल्म अपने शानदार कंटेंट के साथ दर्शकों को सिनेमाघरों की तरफ खींचने का वादा करती है। बवाल का निर्माण नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला द्वारा किया गया है और यह अर्थस्काई पिक्चर्स द्वारा सह-निर्मित है।

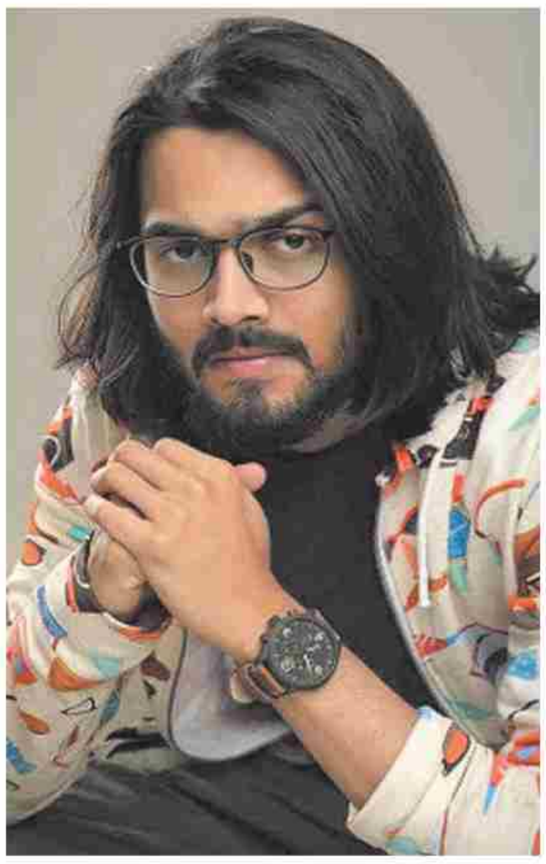

भुवन बाम ने किंग खान के साथ किया शूट

पठान ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। सिद्धार्थ आनन्द के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने घरेलू व वैश्विक स्तर पर धमाकेदार कमाई की है। इस फिल्म के जरिये शाहरुख खान ने 4 साल बाद परदे पर वापसी की। पठान से पूर्व उनकी अन्तिम फिल्म जीरो थी, जो 2018 में प्रदर्शित हुई थी। हालांकि इन चार सालों में शाहरुख कुछेक फिल्मों में कैमियो भूमिका में दिखाई दिए थे, जिनमें ब्रह्मास्त्र में उनकी भूमिका वानरास्त्र को दर्शकों ने सर्वाधिक पसन्द किया था। पठान ने प्रदर्शन के बाद सिनेमाघरों में 1048 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया है। इसी बीच सोशल मीडिया के मशहूर कॉमेडियन और यूट्युबर भुवन बाम ने किंग खान के साथ फिल्म के ओटीटी स्टीम का एक मजेदार प्रोमो वीडियो शूट किया है, जिसका वीडियो प्राइम वीडियो ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में किंग खान वीडियो की शुरुआत में पठान का डायलॉग बोलते हुए नजर आए। लेकिन शाहरुख को ये पसंद नहीं आता और वो भुवन से कहते हैं, क्या है यर ये आप लोग प्रमोशन में फिल्म का डायलॉग क्यों इस्तेमाल करते हो, कुछ नया नहीं सोच सकते। वहीं भुवन उन्हें कुछ मजेदार लाइन्स सुनाते हैं, जिसके बाद किंग खान कहते हैं, तुमसे नहीं होगा, तुम जाओ कैमरा रोल करो। इस मजेदार वीडियो को सोशल मीडिया पर यूजर्स काफी पसंद कर रहे हैं। भुवन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शाहरुख खान के साथ एक फोटो भी शेयर की है। इस फोटो में दोनों एक दूसरे को गले लगाए नजर आ रहे हैं। फोटो के साथ भुवन ने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा, उन्होंने लिखा- छोटी छोटी आंखें बड़े बड़े ख्वाब।

इस गाने पर नाचते-नाचते रशिमका हो गईं हैं बोर

अल्लू अर्जुन और रशिमका मंदाना स्टारर पुष्पा ने पूरे देश में धूम मचा दी। फिल्म के गाने और डायलॉग्स ने सभी को अपना दीवाना बना लिया था। लेकिन हाल में ही जब एक फैन ने उनसे इस गाने पर डांस के लिए कहा तो उन्होंने साफ मना कर दिया, आखिर रशिमका ने एसा क्यों कहा आइए जानते है। पुष्पा में श्रीवल्ली बनकर रशिमका मंदाना ने फेंस को दीवाना बना दिया है। एक्ट्रेस फिल्म से काफी पॉपुलर हुई थीं। फिल्म में उनका सामी-सामी सॉन्ग भी लोगों का बेहद अच्छा लगता है। वहीं हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इस आइकॉनिक सॉन्ग पर डांस स्टेप को करने से मना कर दिया। हाल में ही 'पुष्पा 2' स्टार रशिमका ने ट्विटर पर 'आस्क मी एनीथिंग सेशन' होस्ट किया था। इसी दौरान एक फैन ने रशिमका से रिकवेस्ट करते हुए कहा कि, अगर मुझे आपसे मिलने का मौका मिले तो मैं आपके साथ सामी-सामी गाने पर डांस करना चाहूंगा। हालांकि रशिमका ने फैन की इस रिक्वेस्ट को रिजेक्ट कर दिया। दिसंबर 2021 में 'पुष्पा' के रिलीज़ होने के फौरन बाद रशिमका सामी सामी गर्ल बन गई। उन्हें हाल ही में एक अवार्ड शो सहित कई प्लेटफार्मों पर गाने पर परफॉर्म करते देखा गया है। वर्क फंट की बात करे तो अभिनेत्री 'पुष्पा 2' दिखाई देने वाली हैं। इस फिल्म में रशिमका एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में नजर। आएगी वहीं वह रणबीर कपूर के साथ फिल्म एनिमल में भी दिखाई देंगी। बता दें कि इस फिल्म में पहले रणबीर के साथ परणिती चोपड़ा की जोड़ी बनी थी, बाद में उन्हें रशिमका से रिप्लेस कर दिया गया।

हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा में पत्रकार का किरदार निभा रही हैं ईशा

अमेज़न मिनी टीवी ने हाल ही में अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा का ट्रेलर जारी किया है और यह पसंद भी किया जा रहा है। इसमें ईशा देओल एक स्वतंत्र पत्रकार दिव्या का किरदार निभा रही हैं, जो आत्मविश्वासी, स्मार्ट और अपने काम के प्रति बेहद जुनूनी है। वह देखभाल करने वाली, साहसी और दयालु है जो कुछ भी हासिल करने के लिए कुछ भी कर सकती है। 8 एपिसोड की इस एक्शन थ्रिलर में सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ ईशा देओल, राहुल देव, बरखा बिष्ट, मिहिर आहूजा, टीना सिंह, चाहत तेजवानी, करणवीर शर्मा, सिद्धार्थ खेर, गार्गी सावंत और पवन चोपड़ा प्रमुख और आकर्षक भूमिकाओं में हैं। शो का आधार एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर होने का वादा करता है, हर एपिसोड अराजकता की एक और परत का अनावरण करता है। जितना अधिक आप कहानी के बारे में जानते हैं, उतना ही पेचीदा और खतरनाक हो जाता है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए ईशा देओल ने कहा, मैं हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा के लिए सुपर एक्साइटेड हू, यह एक एक्शन से भरपूर रोलरकोस्टर राइड है जो इमोशन और ड्रामा से भरी हुई है। यह बहुत ही पेचीदा है और वैसा ही मेरा किरदार भी है। दिव्या ऐसी है जिससे हर लड़की प्यार करेगी। वह आत्मविश्वास से भरी, स्मार्ट, मजाकिया है, और उसके पास कुछ जबरदस्त एक्शन मूव्स हैं।

कंगना ने दिलजीत पर साधा निशाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत पिछले कुछ दिनों से खालिस्तानियों पर एक-से-एक ट्वीट कर रही हैं। वह किसान आंदोलन के दौरान हुए अपने साथ वाकये का भी जिक्र कर रही हैं। अब उन्होंने दिलजीत दोसांझ पर निशाना साधा है। उनको लेकर कई बातें लिखी हैं, जो कि पोस्ट अब वायरल हो रहा है। कंगना रनौत ने एक बार फिर दिलजीत दोसांझ पर निशाना साधा है। पंजाब पुलिस द्वारा कट्टरपंथी सिख उपदेशक और वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह पर कार्रवाई के बीच, कंगना ने सिंगर और एक्टर दिलजीत को एक पोस्ट के जरिए चेतावनी दी है। उन्होंने फूड डिलीवरी पार्टनर स्विगी इंडिया का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया और सीधे तौर पर दिलजीत की गिरफ्तारी तक की बात कह दी। उनका कहना है कि अब देश के साथ गद्दारी या टुकड़े करने की कोशिश महंगी पड़ेगी। कंगना रनौत पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया के जरिए खालिस्तानियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रही हैं। ऐसे में उन्होंने दिलजीत को भी घसीट लिया है। स्विगी इंस्टामार्ट ने एक फोटो शेयर की, जिसमें तमाम तरह की दाल दिखाई दे रही है। उस पर कैप्शन लिखा है- पल्स आगई पल्स। अब इसी को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने सिंगर को टैग किया। लिखा- दिलजीत दोसांझ पोल्स आगई पोल्स।

-दलजीत को बताया था खालिस्तानी समर्थक

बता दें कि साल 2020 में लुधियाना के कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने दिलजीत पर खालिस्तानियों का समर्थन करने का आरोप लगाया था। हालांकि दिलजीत ने जवाब दिया था, मैं एक इंडियन टैक्सपेयर हूं, जो हमेशा जरूरत के समय देश और पंजाब के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा है।

-ऐसे शुरू हुई कंगना-दिलजीत की लड़ाई

बता दें कि कंगना और दिलजीत की लड़ाई तीन साल पुरानी है। हुआ ये था कि जब कंगना ने किसान आंदोलन में एक बूढ़ी महिला की गलत पहचान कर ली थी और उसे बिलकिल बता दिया था जो कि शाहीन बाग विरोध प्रदर्शन में शामिल थी। तभी इनके बीच ट्विटर वॉर शुरू हो गई थी।

क्या मृणाल ठाकुर का टूट गया दिल ?

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीत रही हैं। एक्ट्रेस फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इस बार मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लेटेस्ट फोटो शेयर की है। हालांकि, इस फोटो में वह रोती हुई नजर आ रही हैं। जिसे देख उनके फेंस परेशान हो गए हैं। मंगलवार को मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पर एक फोटो शेयर की। इस फोटो में एक्ट्रेस काफी इमोशनल नजर आ रही हैं। उनकी आंखे सूजी हुई है। जिसे देख ऐसा लग रहा है कि वह काफी ज्यादा रोई हैं। इस फोटो शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा - कल का दिन कठिन था, लेकिन आज मैं ज्यादा मजबूत, समझदार और खुश हूं, हर किसी की कहानियों में कई पन्ने होते हैं, लेकिन हर कोई इसे जोर ने नहीं पढ़ते हैं, लेकिन मैं अपनी कहानी के पन्नों को जोर से पढना चुन रही हू, क्योंकि शायद किसी को मेरे जरिए सीखे गए लेसन को सीखने की जरूरत है। इस तरह एक्ट्रेस ने अपना दर्द-ए-दिल बयां किया है।

एक बार फिर एक्शन करते दिखे बॉलीवुड के अन्ना

सुनील शेट्टी का जब भी ज़िक्र होता है तो हर कोई उनके एक्शन को ही याद करता है और अब अपने इसी अंदाज़ में उन्होंने अपना ओटीटी डेब्यू भी कर लिया है, धारावी बैंक के बाद एक बार फिर से हंटर- टूटेगा नहीं तोड़ेगा में एक्शन करते दिख रहें है बॉलीवुड के अन्ना, उनकी ये वेब सीरीज अमेजॉन मिनी टीवी पर रिलीज़ हो चुकी है जिसमें उनके साथ ईशा देओल, राहुल देव और बरखा बिष्ट भी नजर आएँगे। सीरीज मे सुनील शेट्टी ने एक धासू पुलिस अफसर एसीपी विक्रम की मुख्य भूमिका अदा की है इस सीरीज का निर्देशन प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा ने किया है। इस वेब सीरीज़ की पूरी कहानी को एसीपी विक्रम यानी कि सुनील शेट्टी के इर्द गिर्द घूमती नज़र आ रही है, इसमें एसीपी विक्रम का काम करने का तौर तरीका बिल्कुल अलग दिखाया गया है उनके काफी ताकतवर भी दिखाया गया है इतना कि वो अकेले ही हज़ारों को धूल चटा सकता है लेकिन उनकी ज़िंदगी मे बड़ा मोड़ तब आता है जब उन्हे एक गुमशुदा महिला को ढूढने का मौका मिलता है। इसमें ईशा देओल का किरदार भी काफी अहम है उन्हें एक फ्रीलांस जर्नलिस्ट के रूप में दिखाया गया है। एक्टिंग की बात करें तो इसमें सारे ही बाकमाल अदाकार लिए गए हैं फिर चाहे कोई भी एक्टर कोई भी किरदार निभा रहा हो हर किसी ने अपने काम से पूरा जस्टिस किया है, सुनील शेट्टी की तो उनके लुक से लेकर परफॉर्मेंस तक सब कुछ शानदार है उनकी इस लुक को देखकर आपको भी उनके वही पुराने एक्शन सीन्स याद आएँगे क्यूंकि आज भी वो एक्टिंग और दिल छोह लेने वाली परफॉर्मेंस से बॉलीवुड के बड़े बड़े कलाकारों को टक्कर दे रहें है। वहीं ईशा देओल भी फ्रीलांस जरनालिस्ट के किरदार बिलकुल फिट बैठ रहीं है उन्होंने भी इस सीरीज़ में अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीता है क्यूंकि उनकी भी एक्टिंग इसमें निखर कर दिखी है, वहीं राहुल देव और बरखा विष्ट भी अपने किरदारों मे खूब जमे। हमेशा की तरह वो इस बार भी शानदार ही दिखे।

पुष्पा 2 में होगा अजय का कैमियो!

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन और रशिमका मंदाना स्टारर पुष्पा- द राइज फिल्म को रिलीज हुए एक साल से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन आज भी दर्शकों में फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज है। फिल्म की कहानी और अल्लू अर्जुन का पुष्पा स्टेप लोगों का इतना पसंद आया कि लोगों ने खुद भी इसे आजमाया। फिल्म के एक्शन सीन, गानें और डायलॉग्स भी काफी पॉपुलर साबित हुए थे। अब दर्शक इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के दूसरे पार्ट पुष्पा- द रूल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में एक जानकारी ने फैंस की एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में भोला स्टार अजय देवगन का कैमियो हो सकता है। बता दें कि अभी तक इस बात की ऑफिशियली पुष्टि नहीं हुई है, इसीलिए कुछ कह नहीं सकते हैं। लेकिन अगर ऐसा हुआ तो दर्शकों के लिए यह डबल एंटरटेनमेंट का डोज होगा। इससे पहले भी आलिया भट्ट और अजय देवगन ने आरआरआर में कैमियो रोल किया था। खबरों के मुताबिक इस फिल्म में अजय के अलावा एक खान के आने की भी संभावना जताई जा रही है।

गहलोत ने सिसोदिया को राम और खुद को बताया भरत

नई दिल्ली। दिल्ली के वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने विधानसभा में अपना पहला व सरकार का नौवा बजट पेश किया। बजट पेश करने से पहले उन्होंने मंदिर जाकर पूजा अर्चना की। साथ ही उन्होंने अपनी मां से आशीर्वाद लिया। गहलोत ने सदन में बजट पेश करने से पहले पूर्व वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया को याद किया। इस दौरान उन्होंने सिसोदिया को राम बताया और अपने आप को उनके छोटे भाई भरत के समान बताया। उन्होंने कहा कि जैसे राम के वनवास जाने के बाद भरत ने उनकी खड़ाऊ रखकर अयोध्या की सत्ता संभाली। ठीक उसी प्रकार से वो भी कर रहें हैं। गहलोत ने इस बार की बजट को दिल्ली की जनता को समर्पित बजट बताया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद ये दिल्ली का 9वां बजट पेश हुआ है। गहलोत ने विधानसभा में अपने भाषण के दौरान अरविंद केजरीवाल के शासन के मॉडल की सराहना की। साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार दिल्ली का बजट साफ, सुंदर और आधुनिक दिल्ली को समर्पित है, यह बजट उपनिषद के सर्वे भवन्तु सुखिनः के भाव से तैयार किया गया है, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विश्वास दिलाता है कि उनके बच्चों को विश्वसनीय शिक्षा मिलती रहेगी। इससे पहले सभी केजरीवाल सरकार के सभी आठ बजट मनीष सिसोदिया ने पेश किए थे।

नोएडा में गारमेंट फैक्ट्री में लगी आग, 10 लोगों का किया रेस्क्यू

नोएडा। नोएडा की एक गारमेंट फैक्ट्री में गुरुवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। मौके पर दमकल की गाड़ियों को रवाना किया गया। फैक्ट्री में फंसे 10 कामगारों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दमकल की करीब एक दर्जन गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। चीफ फायर ऑफिसर प्रमोद कुमार से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार सुबह नोएडा के सेक्टर 10 में आग लगने की सूचना करीब 7 बजे फायर विभाग को मिली थी। इसके बाद आनन-फानन में तुरंत इन गाड़ियों को रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने 10 लोगों की जान बचाई।

ग्रेटर नोएडा में 3 शिक्षण संस्थानों के आवंटन निरस्त, प्रोजेक्ट पूरा न करने और बकाया ना चुकाने पर हुआ फैसला

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बकाया रकम न देने और प्रोजेक्ट न पूरा करने वाले तीन शिक्षण संस्थानों के भी आवंटन निरस्त कर दिए हैं। प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने इन भूखंडों को कब्जे में लेकर नए सिरे से आवंटन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि यहां नए प्रोजेक्ट आ सकें और प्राधिकरण की बकाया रकम की भरपाई भी हो सके।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने हाल ही में संपत्ति से जुड़े विभागों की समीक्षा करते हुए बकायेदारों के आवंटन निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। पहले फेज में बड़े बकाएदारों के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। कई बड़े आवंटन निरस्त किए जा चुके हैं। इसी कड़ी में अब संस्थागत विभाग ने तीन और भूखंडों के आवंटन निरस्त कर दिए हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ अदिति सिंह ने बताया कि ग्रेटर नोएडा हॉस्टल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर को 2011 में कार्पोरेट ऑफिस के लिए 4080 वर्ग मीटर जमीन नॉलेज पार्क में (भूखंड संख्या-206) आवंटित की गई थी, जिसके एवज में बतौर प्रीमियम करीब 4 करोड़ रुपये का भुगतान करना था। संस्था की तरफ से 2012 से 2021 के दौरान 18 किस्तों को भुगतान नहीं किया गया, जिसके चलते अब तक बतौर प्रीमियम करीब 16.96 करोड़ रुपये की बकाया धनराशि की देयता हो गई है। लीजरेंट और अतिरिक्त प्रतिकर को मिलाकर आवंटी पर अब तक करीब 21.43 करोड़ रुपये बकाया हो चुका है। इस दौरान कई बार नोटिस भी जारी की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, जिसके चलते ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने आवंटन निरस्त करने का आदेश पारित कर दिया है। एसीईओ ने बताया कि पेलिकॉन फ्रेंड्स शक्ति समिति का भी बकाया भुगतान न करने पर आवंटन निरस्त किया गया है। पेलिकॉन फ्रेंड्स शक्ति समिति को 2011 में नर्सरी स्कूल के लिए 1000 वर्ग मीटर भूखंड (संख्या-एनएस-4) सेक्टर दो में आवंटित किया गया था, जिसके एवज में आवंटी को 60 लाख रुपये का भुगतान करना था, मगर आवंटी की तरफ से 2011 से 2023 के बीच किस्तों का भुगतान नहीं किया गया। प्रीमियम और अतिरिक्त प्रतिकर को मिलाकर करीब 2.44 करोड़ रुपये बकाया हो चुका है। इस बीच कई बार नोटिस भी जारी की गई, लेकिन कोई रेस्पोंस न मिलने पर यह कार्रवाई की गई।

गाजियाबाद में कुट्टू का आटा खाने से 45 लोगों की तबीयत बिगड़ी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर इलाके के कई गांवों में उस समय हड़कंप मच गया जब कुट्टू का आटा खाने से 45 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। पीड़ित लोगों को उल्टी-दस्त और चक्कर आने की शिकायत के बाद निकटवर्ती अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कुछ लोगों को उल्टी में खून की शिकायत के बाद बड़े अस्पताल में रेफर किया गया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भवतोष शंखधर ने बताया कि अभी तक 45 लोगों के बीमार होने की पुष्टि हो चुकी है, जिन्हें निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने व्रत में कुट्टू का आटा खाया था। डॉ. शंखधर ने बताया राहत एवं बचाव कार्य जारी है। मुरादनगर-निवाड़ी थाना क्षेत्र के पतला, निवाड़ी, पेंगा समेत कई गांवों

में अचानक लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। सभी लोगों को उल्टी-दस्त और चक्कर आने शुरू हो गए। इसके बाद सभी लोगों को आनन-फानन में निकटवर्ती निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब अस्पताल में बेड नहीं मिला तो उन्हें दूसरे अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जिन लोगों को उल्टी में खून आया उन्हें हायर सेंटर में रेफर किया गया।

उधर जिन लोगों के घर वाले बीमार हैं उनके परिजनों का कहना है कि घर के अधिकतर लोगों के बीमार होने के कारण वह बीमारी का खर्चा भी उठाने में सक्षम नहीं है इसलिए प्रशासन को आगे आकर इस पूरे मामले में उनके उपचार का प्रबंध करना चाहिए। डॉ. शंखधर ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। पीड़ितों की हर संभव मदद की जा रही है। फिलहाल फूड सेफ्टी विभाग और अन्य प्रशासनिक अधिकारी कुट्टू के आटे का सैंपल ले रहे हैं। यदि जांच में कुट्टू के आटे में मिलावट पाई जाती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खान मार्किट रेस्टुरेंट में लगी आग

नई दिल्ली। दिल्ली के खान मार्केट में स्थित एक रेस्टोरेंट में आज सुबह अचानक आग लग गई। देखते ही देखते काफी धुआं निकलने लगा। दमकल विभाग को इसकी सूचना मिली, मौके पर अलग-अलग फायर स्टेशनों से आग बुझाने वाली कई गाड़ियां भेजी गई। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने

मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आग रेस्टोरेंट के चिमनी और फॉल सीलिंग में फर्स्ट फ्लोर और सेकंड फ्लोर पर लगी थी। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। आग किस वजह से लगी इसके बारे में पता किया जा रहा है। आगे की छानबीन स्थानीय पुलिस करेगी। दमकल ने बताया कि शुरुआती छानबीन में मौके पर पता चला कि आग वेंटिलेशन के पास से वायर से शुरू हुई थी। जो फैलती हुई आगे फर्स्ट और सेकंड फ्लोर के फॉल सीलिंग में पहुंच गई। लेकिन हम लोगों ने 1 घंटे से कम समय के अंदर आग को पूरी तरह बुझा दिया। आग की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस की टीम भी पहुंच गई थी। वही वहां पर आसपास लोगों की भीड़ भी जमा हो गई थी। जब तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था तब तक वहां पर पैनिक की स्थिति बनी रही।

रोहिणी इलाके में तीन मंजिला मकान जमींदोज

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-16 में बीती देर रात एक तीन मंजिला मकान जमींदोज हो गया। हालांकि गनीमत यह रही कि यह मकान खाली पड़ा था। इसकी वजह से अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने गुरुवार को बताया कि बीती रात 1.45 बजे सूचना मिली थी कि रोहिणी के सेक्टर 16 स्थित एक घर में आग लग गई है। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की चार गाड़ियों को भेजा गया। घटना स्थल पर पहुंचने पर पता चला कि तीन मंजिला मकान गिर गया है। मकान काफी पुराना था। इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि मकान के पास खड़ी कुछ गाड़ियां मलबे में दब गई हैं।

दिल्ली में पांचवीं कक्षा की छात्रा से स्कूल में सामूहिक दुष्कर्म, चपरासी गिरफ्तार

नई दिल्ली। गाजीपुर थाना क्षेत्र के दिल्ली नगर निगम के स्कूल के अंदर पांचवीं कक्षा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। स्कूल के चपरासी ने छात्रा को नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश किया और तीन बाहरी लोगों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया।स्कूल के प्रधानाचार्य की शिकायत पर गाजीपुर थाना पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म, अपहरण, पाक्सो समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी पंजीकृत की है। पुलिस ने आरोपित चपरासी अजय (54) को गिरफ्तार कर लिया है, बाकी आरोपितों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। निगम उपायुक्त वंदना राव ने चपरासी को निलंबित कर दिया है।पीड़ित परिवार गाजीपुर थाना क्षेत्र में रहता है।

पीड़िता के परिवार में माता-पिता व बड़ा भाई है। 10 वर्षीय पीड़िता इलाके के एक निगम स्कूल पांचवीं कक्षा में पढ़ाई करती है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 14 मार्च को पीड़िता की स्कूल की आखिरी परीक्षा थी, वह उसमें अनुपस्थित थी। कक्षा की शिक्षिका ने स्वजन को फोन किया, पीड़िता के भाई ने फोन उठाया और बताया कि स्कूल के चपरासी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी बहन के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया है। वारदात की सूचना मिलते ही स्कूल में हड़कंप मच गया। स्कूल की प्रधानाचार्य व शिक्षक पीड़ित परिवार से मिले और वारदात की जानकारी ली, पीड़ित परिवार ने पुलिस के पास जाने से इन्कार कर दिया। परिवार अज्ञात स्थान पर चला गया। जिसके बाद प्रधानाचार्य ने 22 मार्च को गाजीपुर थाना पुलिस को लिखित में वारदात की सूचना दी।

फिल्म निर्माता केसी बोकाडिया ने यमुना अथॉरिटी के सीईओ से की मुलाकात

फिल्म सिटी को लेकर हुई चर्चा

ग्रेटर नोएडा। जाने-माने फिल्म निर्माता केसी बोकाडिया ने ग्रेटर नोएडा पहुंचकर यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ अरुण वीर सिंह से मुलाकात की और दोनों के बीच काफी देर तक फिल्म सिटी को लेकर चर्चा हुई।

केसी बोकाडिया फिल्म सिटी में अपनी कंपनी के लिए एक स्टूडियो खोलने के इच्छुक हैं। जिसके लिए उन्होंने सीईओ डॉ अरुण वीर सिंह से जानकारी हासिल की। सुबह के सी बोकाडिया ग्रेटर नोएडा पहुंचे और यहां पर उन्होंने यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ अरुण वीर सिंह से मुलाकात की। केसी बोकाडिया बनने वाली फिल्म सिटी में अपना स्टूडियो बनाना चाहते हैं और वहां काम करने के इच्छुक हैं। केसी बोकाडिया फिल्म सिटी में निवेश करना चाहते हैं जिसके लिए उन्होंने जानकारी हासिल की। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट सनसिटी को यमुना अथॉरिटी के सेक्टर 21 में बसाया जाएगा जिसको 1000 एकड़ में बसाई जाने की योजना है। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि इस फिल्म सिटी में वह सारी चीजें होनी चाहिए जिसको लेकर एक फिल्मकार यहां पर आए और अपनी फिल्म बनाकर ही वापस जाएं।

गाजियाबाद में कोरोना ने दी दस्तक, मार्च में मिले 26 कोरोना पॉजिटिव

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक बार फिर कोरोना ने दस्तक दी है। मार्च के महीने में 26 कोरोना के केस मिले हैं। जिसमें अभी जिले में 21 एक्टिव केस हैं। इन 21 में से 4 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

गाजियाबाद के जिला सरकारी अस्पताल का यह कोविड वार्ड आप देख सकते हैं। यहां मरीज एडमिट हैं। गाजियाबाद में मार्च महीने में 26 कोरोना मरीज सामने आए हैं, जिसमें से अभी 21 मरीज एक्टिव है। जिनमें से 4 अस्पताल में भर्ती है। गाजियाबाद के चीफ मेडिकल ऑफिसर के मुताबिक गाजियाबाद में अभी 21 एक्टिव मरीज है। जिनमें से 3 सरकारी अस्पताल और एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हैं। सीएमओ के मुताबिक हालात कंट्रोल में है और हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।आपको बता दें कि सरकार ने कोरोना की लहर में ऑक्सीजन और अस्पताल की कमी को देखकर कई सारे कदम उठाए थे। जिसके बाद अस्पताल में कोविड वार्ड बनाये गए हैं इसके साथ ही ऑक्सीजन प्लांट भी काफी संख्या में लगाए गए हैं लेकिन हर कोई यही दुआ कर रहा है कि वह दौर लौट के ना आए

ग्रेटर नोएडा में तेज रफ्तार रोडवेज बस ने पीछे से मर्सिडीज में मारी टक्कर; 15 से अधिक लोग घायल

ग्रेटर नोएडा। नोएडा -ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर गलगोटिया अंडरपास के समीप तेज रफ्तार रोडवेज बस ने पीछे से मर्सिडीज कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मर्सिडीज अंडरपास से नीचे गिर गई। गनीमत रही कि जहां पर कार गिरी, वहां मिट्टी थी। इस वजह से चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई। करीब 15 यात्रियों को लगी चोट हादसे के बाद बस में सवार करीब 15 यात्रियों को भी चोट लगी है। सभी को हल्की चोट लगने की वजह से प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार ने बताया कि रोडवेज बस बृहस्पतिवार दोपहर 1:15 बजे के करीब नोएडा की तरफ से ग्रेटर नोएडा परी चौक की तरफ आ रही थी। जैसे ही बस गलगोटिया अंडरपास के समीप पहुंची, तभी चालक बस का नियंत्रण खो बैठा और बस ने पीछे से मर्सिडीज कार में टक्कर मार दी। हादसे के बाद लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई।

गाजियाबाद में महिला बाइक मिस्त्री की दुकान जली, मदद के लिए लोगो ने बढ़ाए हाथ

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पहली महिला बाइक मिस्त्री पूनम की दुकान में देर रात आग लग गई। घटना में सब कुछ जलकर राख हो गया। सूचना पाकर दुकान पर पूनम पहुंची, तो सिर्फ राख बची थी। बाइक रिपेयरिंग करने वाले सारे औजार गायब थे। अब यहां सवाल ये है कि आग लगी या फिर लगाई गई? पति को लकवा मारने के बाद शुरू हुए इस छोटे से धंधे के खत्म होने के बाद पूनम पूरी तरह सड़क पर आ गई है। हालांकि सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने मदद करनी शुरू कर दी है।

शहर में जीटी रोड पर पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के पास एक ठेला खड़ा रहता है। ये ठेला बाइक की छोटी सी दुकान है जिसे पूनम चलाती है। मंगलवार देर रात इस दुकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। जब तक दमकल गाड़ी पहुंची, तब तक सारा सामान जलकर राख हो चुका था। सुबह पूनम ने सामान खोजना शुरू किया तो उसको एक भी औजार नहीं मिला। अब वो ये मान रही है कि किसी ने

सामान चुराने के बाद उनकी दुकान में जान बूझकर आग लगाई है। फिलहाल इस मामले में पुलिस में कोई शिकायत नहीं की गई है।

पूनम ने कहा, मेरा यहां पर सामान नहीं मिला। मुझे लगता है कि किसी ने पहले सामान चुराया, फिर ठेली में आग लगाई है। हमारी तो किसी से दुश्मनी भी नहीं थी। पता नहीं हमारे साथ क्या हो रहा है। हमें तो सुबह किसी ने फोन करके ठेली जलने के बारे में बताया।

फतेहपुर की रहने वाले राजेश वर्तमान में गाजियाबाद के पटेलनगर में किराए के मकान में रहते हैं। राजेश एक निजी कंपनी में मोटर मैकेनिक थे। कोरोना लॉकडाउन में राजेश की नौकरी चली गई। इसके बाद राजेश ने बाइक मिस्त्री की छोटी सी दुकान खोल ली। दुकान का काम धंधा धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था कि राजेश को पैरालिसिस अटैक पड़ गया। पत्नी पूनम उन्हें प्रयागराज लेकर चली गई। वहां इलाज कराया और जितना भी पैसा इकट्ठा था, वो सब खर्च हो गया।

पति के लकवाग्रस्त होने पर पूनम ने बाइक मिस्त्री का काम संभाल लिया। राजेश ने जैसे-तैसे पूनम को ये काम सिखाया और फिर पूनम ने ये काम आगे बढ़ाया। देखते ही देखते पूनम की दोनों बेटियां स्कूल भी जाने लगीं और घर का खर्चा भी निकलने लगा। पूनम बच्चियों को स्कूल भेजने के बाद सुबह 9 बजे दुकान खोल लेती हैं और रात के 9 बजे तक जीतोड़ मेहनत करती हैं। किस्मत ने एक बार फिर पूनम का साथ नहीं दिया और उन्हें फिर से सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया।

दिल्ली के पहाड़गंज में दो गुटों के बीच संघर्ष में एक की मौत, तीन घायल

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में गुरुवार को मामूली बात को लेकर दो गुटों के बीच हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान मंडावली निवासी रजा के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को पहाड़गंज पुलिस थाने में कॉल मिली, जिसमें बताया गया कि दिल्ली में रेलवे ट्रैक के पास स्टेट एंट्री रोड पर एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, पहाड़गंज के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और एक व्यक्ति को सिर में गंभीर चोट के साथ जमीन पर पड़ा पाया। तीन अन्य लोग भी घायल अवस्था में घटनास्थल पर मौजूद थे और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया।सभी

को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रजा को मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने कहा, घायल व्यक्तियों की पहचान विजय, सुंदर लाल और रफीक के रूप में की गई है।अधिकारी ने कहा, पुलिस ने संदिग्धों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302/307/34 के तहत मामला दर्ज किया है और दो संदिग्धों को पकड़ा गया है और उनसे पूछताछ जारी है।

जांच के दौरान, यह पता चला कि लड़ाई कूड़ा बीनने वालों के दो समूहों के बीच थी, जिसमें मृतक और घायल व्यक्ति शामिल थे, जो

पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को पहाड़गंज पुलिस थाने में कॉल मिली, जिसमें बताया गया कि दिल्ली में रेलवे ट्रैक के पास स्टेट एंट्री रोड पर एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

सभी नशे के आदी थे। पुलिस ने कहा कि मामूली सी बात पर विवाद शुरू हो गया था और दुर्भाग्य से इसने इस हिंसक टकराव को जन्म दिया। अधिकारी ने कहा कि मृतक बलात्कार के एक मामले में दोषी ठहराया गया था और पैरोल पर बाहर आया था।

दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की बढ़ी रफ्तार

नई दिल्ली। मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त से अनिवार्य मंजूरी मिलने के बाद एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन (एईएल) पर मेट्रो ट्रेनों की परिचालन गति बुधवार से 90 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 100 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि बाद में श्रेणीबद्ध तरीके से ट्रेनों की गति को बढ़ाकर 120 किमी प्रति घंटा किया जाएगा। एईएल पर मेट्रो ट्रेनों की परिचालन गति में वर्तमान वृद्धि के बाद नई दिल्ली एयरपोर्ट लाइन से द्वारका सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशनों के बीच कुल यात्रा समय लगभग 21 मिनट होगा। इसके अलावा, भविष्य में 120

किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति सीमा लागू होने के बाद एईएल पर यात्रा का समय घटकर केवल 19 मिनट रह जाएगा। 23 किमी लंबी एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन भारत में सबसे तेज मेट्रो कनेक्शन है। यह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से द्वारका सेक्टर 21 तक आईजीआई एयरपोर्ट टी-3 और एरोसिटी के माध्यम से कनेक्टिविटी प्रदान करता है। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर की जाने वाली औसत दैनिक यात्री यात्रा लगभग 65,000 है। अधिकारियों ने कहा कि एयरपोर्ट एक्सप्रेस लिंक की परिचालन गति को 100 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाना दिल्ली मेट्रो के इंजीनियरों के लिए एक बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती थी। सावधानीपूर्वक योजना, चौबीसों घंटे पर्यवेक्षण, और कार्य को यात्री संचालन पर प्रभाव न पड़ने देने का दृढ़ संकल्प इस विशाल प्रयास के प्रमुख आकर्षण थे। प्रमुख गतिविधि में पूरे एईएल नेटवर्क में पटरियों पर स्थित 2.6 लाख से अधिक मौजूदा टेंशन क्लैम्प्स को उच्च-आवृत्ति टेंशन क्लैम्प्स के साथ बदलना शामिल था, ताकि उन्हें संशोधित गति शक्ति के साथ अधिक संगत बनाया जा सके।

ग्रेटर नोएडा में दो बिल्डरो के खिलाफ आरसी जारी, 23.39 करोड़ बकाया वसूली के लिए आरसी कलेक्टर को भेजी

ग्रेटर नोएडा। बकाया भुगतान न करने वाले बकायेदारों के खिलाफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की कार्रवाई जारी है। प्राधिकरण ने बकाया न देने वाले ऐसे ही दो बिल्डरों एसोटेक रियल्टी और एवीजे होम्स के खिलाफ आरसी जारी कर दी है। वसूली के लिए दोनों आरसी को कलेक्टर के पास भेज दिया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने हाल ही में संपत्ति से जुड़े विभागों की समीक्षा करते हुए बकायेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीईओ के निर्देश पर अमल करते हुए बिल्डर विभाग ने दो बिल्डरों के खिलाफ आरसी जारी कर दी है।प्राधिकरण की एसीईओ अदिति सिंह ने बताया कि 2005 में एसोटेक रियल्टी को सेक्टर जीटा वन (संख्या जीएच-10) में करीब 29623 वर्ग मीटर भूखंड आवंटित किया गया था। बिल्डर ने प्रोजेक्ट तो पूरा कर दिए, लेकिन प्राधिकरण की बकाया धनराशि अभी तक पूरा जमा नहीं किया है। बिल्डर ने 2012 के बाद भुगतान नहीं किया है। बिल्डर पर करीब 13.39 करोड़ रुपये प्रीमियम और अतिरिक्त प्रतिकर का बकाया है। कई बार नोटिस जारी होने के बावजूद बकाया भुगतान न देने पर प्राधिकरण को यह कदम उठाना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची

-भारतीय टीम दूसरे स्थान पर खिसकी

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली 2-1 की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं भारतीय टीम दूसरे स्थान पर खिसक गयी है। भारतीय टीम इसी साल जनवरी में न्यूजीलैंड को घरेलू धरती पर 3-0 से हराकर नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी थी। इसके बाद भारतीय टीम ने श्रीलंका को भी 3-0 से हराया था। भारतीय टीम ने लगातार आठवां एकदिवसीय भी जीता था। वह इसी साल के अंत में खेले जाने वाले विश्व कप से पहले अच्छी लय में आ गयी थी पर इस हार से उसे झटका लगा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लगातार दो एकदिवसीय में उसे हराकर नंबर एक स्थान से धकेल दिया है।

दूसरे और तीसरे एकदिवसीय में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। वहीं ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर भारतीय गेंदबाज अंकुश नहीं लगा पाये।

पिछले चार साल में घरेलू मैदान पर सारे प्रारुपों में 26 सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम को पहली बार इस सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में भारत को 2-1 से हराया। एमए चिदंबरम स्टेडियम में जीत के लिए मिले 270 रन के लक्ष्य के जवाब में भारतीय शेर 248 रन पर ही आउट हो गयी।

निशानेबाजी विश्व कप : भारत ने मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीता

भोपाल (एजेंसी)। भारत ने गुरूवार को यहां आईएसएसएफ पिस्टल/राइफल विश्व कप में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। इससे भारत के टूर्नामेंट में पदकों की संख्या चार हो गयी है जिसमें एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हैं। भारत के लिए वरूण तोमर और रिदम सांगवान की एयर पिस्टल मिश्रित टीम जोड़ी ने दूसरा स्थान जबकि रूद्रांक्ष पाटिल और आर नर्मदा नितिन ने एयर राइफल स्पर्धा में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

चीन ने टूर्नामेंट में दिन के दोनों स्वर्ण पदक जीते। वरूण ने बुधवार को एयर पिस्टल में व्यक्तिगत कांस्य पदक भी जीता था। उन्होंने रिदम सांगवान के साथ मिलकर चीन की कियान वेई और लियू जिनयाओ की जोड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्वर्ण पदक दौर में 11-17 से हार गयी। वहीं दिव्या टीएस और सरबजोत सिंह की दूसरी भारतीय टीम एक अंक से कांस्य पदक से चूक गई और 574 के स्कोर से पांचवें स्थान पर रही।

वहीं पिछले महीने काहिरा में आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली रूद्रांक्ष और आर नर्मदा की जोड़ी घरेलू सरजमीं पर वही जादू नहीं दिखा सकी और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। कांस्य पदक के मैच में भारतीय जोड़ी ने चीन के झांग कियोंगुए और यु हाओनान को 16-8 से शिकस्त दी। वहीं इस स्पर्धा में हृदय हजारिका और तिलोत्मा सेन की दूसरी भारतीय जोड़ी नौंवे स्थान पर रही।

तीन बार शून्य पर आउट होने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने सूर्यकुमार

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव एक बार फिर विफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए तीसरे मैच में भी सूर्यकुमार अपना खाता नहीं खोल पाये। पहले दो मैचों की तरह ही वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाये। सूर्यकुमार इस मैच में स्पिनर एश्टन एडगर की गेंद पर आउट हुए।

एकदिवसीय क्रिकेट में भारत की ओर से छठी बार कोई खिलाड़ी शून्य पर ही आउट हुआ है। सूर्यकुमार पहले दो मैचों में भी शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे। पहले दोनों ही अवसरों पर तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उन्हें आउट किया था। इसी के साथ ही सूर्यकुमार एकदिवसीय में लगातार तीन मैचों में खाता खोले बिना ही आउट होने वाले भारत के छठे बल्लेबाज हैं।

सूर्यकुमार ने अभी तक 23 एकदिवसीय खेले हैं। इसमें उन्होंने 24.06 की औसत से 433 रन ही बनाये हैं। इसमें केवल दो अर्धशतक हैं। सूर्यकुमार ने टी20 में लगातार तीन शतक लगाये हैं पर एकदिवसीय में वह एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं। सूर्यकुमार को बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की जगह पर एकदिवसीय में उतारने की योजना थी पर अब टीम प्रबंधन को अपने इस फैसले पर फिर विचार करना होगा। वह पिछली 11 एकदिवसीय पारियों में केवल 110 रन ही बना पाये है। इसमें भी केवल तीन बार ही वह दो अंकों तक पहुंचे हैं।

एकदिवसीय में सूर्यकुमार के अलावा लगातार तीन बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन तेंदुलकर (1994), अनिल कुंबले (1996), जहीर खान (2003-04), ईशांत शर्मा (2010-11), जसप्रीत बुमराह (2017-2019)।

आईपीएल के 16 वें सत्र में लागू होंगे नये नियम, टॉस के बाद भी अंतिम ग्यारह चुन सकेंगे कप्तान

मुंबई (एजेंसी)। 31 मार्च से यहां शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में कई बदलाव भी नजर आयेंगे जिससे 2023 का ये सत्र और भी रोमांचक होने की संभावनाएं हैं। इस सत्र में जब दोनो ही टीमों के कप्तान टॉस के लिए मैदान में उतरेंगे तो उनके पास दो अलग-अलग अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की सूची होगी और वे टॉस के बाद अपनी अंतिम ग्यारह घोषित कर सकेंगे। वहीं अभी तक कप्?तानों को टॉस के पहले ही अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा करनी पड़ती थी। वहीं अब कप्तान टॉस के बाद हालात के अनुसार अपनी अंतिम ग्यारह का चयन करेंगे। इस नियम से कप्तानों को हालात के अनुसार इम्पैक्ट (प्रभावी) खिलाड़ी के चयन में सहायता मिलेगी।

वहीं टूर्नामेंट की समिति 'इम्पैक्ट सब्स्टिट्यूशन' (इम्पैक्ट खिलाड़ी के स्थानापन्न) की घोषणा पहले ही कर चुकी है जिसके तहत एक नए खिलाड़ी को मैच के दौरान पांच निर्धारित वैकल्पिक खिलाड़ियों से बदला जा सकता है। इसके अलावा अग निर्धारित समय में टीम पूरे ओवर नहीं डाल पाती है तो प्रत्येक ओवर के लिए 30 यार्ड सर्कल के बाहर केवल चार फील्डर रखने की ओवर रेट पेनल्टी लगेगी। वहीं विकेटकीपर यदि कोई गलती करता है तो गेंद को डेड घोषित कर दिया जाएगा और बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन अतिरिक्त दिये जाएगें। इसके अलावा फील्डर भी अगर कुछ गलत करता है तो भी गेंद को डेड घोषित करके पांच रन की पेनल्टी लगाई जाएगी।

आईपीएल से पहले हाल में दक्षिण अफ्रीका की लीग एसए20 हुई थी, उसमें भी ये नियम लागू किया गया था। इसमें टीमों को टॉस के बाद अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की सुविधा मिली थी। तब टीमों ने टॉस के बाद अपनी अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा करने से पहले टीम शीट पर 13 नाम रखे हुए थे। यानी 11 खिलाड़ी तो वे जो खेल रहे हैं और दो खिलाड़ी इम्?पैक्?ट प्?लेयर के रूप में रखे गए थे। इस नए नियम से बाद में गेंदबाजी करने वाली टीम को भी सहायता मिलने की संभावना है। इससे गेंदबाजी और बल्लेबाजी में बेहतर संतुलन होने से मैच भी रोमांचक होने की संभावना है।

आईपीएल में पहली बार खेलेंगे रुट , ग्रीन और ब्रूक जैसे खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में शुरु होने जा रहे आईपीएल में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार इस लीग में उतरेंगी। इसमे युवा के साथ ही अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया , इंग्लैंड के अलावा जिम्बाब्वे के अलावा ही एसोसिएट देश के भी कुछ खिलाड़ी शामिल हैं। 31 मार्च से शुरु होने वाले आईपीएल का पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच होगा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज जो रूट भी पहली बार आईपीएल खेलेंगे। रूट को उनके बेस प्राइस 1 करोड़ में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था। रूट ने 5 साल बाद आईपीएल ऑक्शन में अपना नाम भेजा था। इससे पहले उन्होंने 2018 के ऑक्शन में अपना नाम रजिस्टर्ड कराया था पर तब किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं खरीदा था। जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा भी पहली बार आईपीएल खेलेंगे रजा का पंजाब किंग्स ने 50 लाख रुपये में खरीदा था।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पहली बार आईपीएल खेलेंगे। ग्रीन को मुंबई इंडियंस ने 17.50 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदा था। ग्रीन मध्यम तेज गति के बेहतरीन गेंदबाज भी हैं। वह आईपीएल इतिहास में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। ग्रीन ने भारत दौरे पर टेस्ट में शतक भी लगाया था।

वहीं इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक भी शानदार लया में हैं। ब्रूक को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में ब्रूक ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। ब्रूक ने करियर की शुरुआती 9 पारियों में 800 रन बनाकर एक रिकार्ड बनाया था। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज फिल साल्ट भी पहली बार आईपीएल में खेलेंगे। साल्ट को 2 करोड़ रुपये में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा था। दाएं हाथ के विकेटकीपर बैटर फिल साल्ट दिल्ली कैपिटल्स में बतौर विकेटकीपर भी भूमिका भी निभा सकते हैं। टीम के नियमित कप्तान ऋषभ पंत चोटिल हैं। ऐसे में साल्ट विकेटकीपर के तौर पर टूर्नामेंट में उतरेंगे। .

स्विस ओपन : पीवी सिंधू और प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

बासेल । भारत के स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू और एचएस प्रणय ने यहां महिला और पुरुष एकल में अपने-अपने मैच जीतकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने पुरुष एकल के पहले दौर में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट चीन के शि यू क्यूई से दूसरा गेम गंवाने के बावजूद 21-17 19-21 21-17 से जीत दर्ज की। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और यहां चौथी वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर में स्विट्जरलैंड की जेनजीरा स्टैडेलमैन को एकतरफा मुकाबले में 21-9 21-16 से हराकर अपने खिताब की रक्षा के लिए शानदार शुरुआत की। प्रणय का अगला मुकाबला फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से होगा, जबकि सिंधू का सामना इंडोनेशिया की 20 वर्षीय पुत्री कुसुमा वारदानी से होगा, जो 2022 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं।

विश्व कप में सपाट बल्लेबाजी पिचों की जरुरत : आकाश चोपड़ा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम को सपाट बल्लेबाजी पिचों की जरुरत रहेगी। चोपड़ा ने कहा, विचार करने के लिए बहुत सारे सवाल। मेरे लिए एक बड़ी बात यह है कि जब विश्व कप होगा तो हमें पूरी तरह से सड़क जैसी पिचों की आवश्यकता होगी क्योंकि हमें न तो सीम की जरूरत है और न ही टर्न की। जब गेंद स्विंग कर रही थी, तो हमें परेशानी का सामना करना पड़ा था। हमने पांच विकेट गंवाए। एक बार 180 रन का पीछा करते हुए और दूसरी बार 117 रन पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने पूरा प्रयास किया पर अंत में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी इकाई अपने काम में सफ रही। दूसरे एकदिवसीय में मिशेल स्टार्क की तेजी गेंदबाजी और अंतिम एकदिवसीय में एडम जम्पा की स्पिन के सामने भारतीय बल्लेबाजी क्रम ध्वस्त हो गया। इसी के साथ ही भारतीय टीम आईसीसी रैंकिंग में भी फिसल गयी। ऑस्ट्रेलिया के आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के बाद चोपड़ा ने कहा, मेरा दिल टूट गया है क्योंकि हम अब दुनिया की नंबर 1 एकदिवसीय टीम नहीं हैं। बहुत से लोग कहते हैं कि आईसीसी रैंकिंग से फर्क नहीं पड़ता पर यह भी सही है कि नंबर एक से बाहर होना निराशाजनक होता है।

स्कॉटलैंड के पूर्व कप्तान कोएट्ज़र ने खेल के सभी प्रारुपों को अलविदा कहा

लंदन (एजेंसी)। स्कॉटलैंड के पूर्व कप्तान काइल कोएत्जर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों को अलविदा कह दिया है। कोएत्जर की कप्तानी में ही टीम ने साल 2018 में इंग्लैंड को हराया था। इस प्रकार टीम ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 के सुपर 12 चरण में अपनी टीम की जगह पक्की की थी। कोएट्जर ने अलग-अलग प्रारूपों के 159 मैचों में स्कॉटलैंड की ओर से 4,687 रन बनाए हैं जिसमें पांच शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने अपनी टीम की ओर से एकमात्र शतक साल 2015 में बांग्लादेश के खिलाफ पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में लगाया था। यह किसी आईसीसी इवेंट में स्कॉटलैंड का एकमात्र शतक है।

कोएत्जर ने 89 एकदिवसीय मैचों की 87 पारियों में 38.92 की औसत और 82.37 के स्ट्राइक रेट से 3,192 रन बनाए हैं। इस खिलाड़ी के नाम 50 ओवर के प्रारूप में पांच शतक और 21 अर्धशतक हैं। इसके अलावा कोएट्जर ने 70 टी20आई की 68 पारियों में 22.65 की औसत से 1,495 रन बनाए। उन्होंने प्रारूप में छह अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने छोटे प्रारूप में 119.21 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस खिलाड़ी ने अपने 159 मैचों में से 86 में कप्तानी की थी जिसमें स्कॉटलैंड ने 46 बार जीत हासिल की। उनकी कप्तानी में ही टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 के सुपर 12 के लिए क्वालीफाई किया था। पिछले महीने नेपाल में क्रिकेट विश्व कप लीग 2 की ट्रॉफी जीतने के बाद इस क्रिकेटर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उच्च स्तर पर संन्यास ले लिया था। वहीं एक व्यक्तिगत क्रिकेटर के रूप में उनके करियर के सबसे बड़े क्षणों में से एक 2020 में आईसीसी पुरुष एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द डिकेड का खिताब भी रहा है। कोएट्जर नॉर्दर्न डायमंड्स के सहायक कोच भी रहे हैं। अपने संन्यास के बाद के कार्य को लेकर कोएट्जर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस तरह के फैसले के लिए एक सही समय है, पर मैं कुछ समय के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा था और एक अवसर आया जो बहुत

अच्छा था। इस समय स्कॉटलैंड की टीम को जिस संतुलन की जरूरत है उसको देखते हुए मैं कोच के तौर पर टीम को बेहतर बनाना चाहता हूं।

भारतीय मुक्केबाज नीतू महिला विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली । राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन नीतू गघांस (48 किग्रा) ने गुरूवार को यहां कजाखस्तान की अलुआ बाल्कीबेकोवा पर 5-2 की जीत से महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला पिछले साल के क्वार्टरफाइनल जैसा ही था। इसमें नीतू और बाल्कीबेकोवा ने पहले दौर में एक दूसरे पर जमकर मुक्के जड़े। हालांकि कजाखस्तान की मुक्केबाज ज्यादा हावी रहीं जिससे पहला राउंड 3-2 से उनके नाम रहा। दूसरे राउंड में हालांकि नीतू ने मजबूत वापसी करते हुए दमदार 'हुक्स' और 'जैब्स' जड़े। दोनों मुक्केबाज एक दूसरे को जकड़ने की कोशिश करती रहीं लेकिन नीतू इस राउंड को अपने नाम करने में सफल रही। अगले तीन मिनट काफी तनावपूर्ण रहे जिसमें नीतू ने बाल्कीबेकोवा से बेहतर प्रदर्शन किया जिससे मुकाबले का 'रिव्यू' किया गया और उन्हें विजेता घोषित किया गया।

भारतीय टीम इन कारणों से ऑस्ट्रेलिया से एकदिवसीय सीरीज हारी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इस सीरीज की शुरुआत भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में जीत के साथ की थी पर इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत के साथ ही सीरीज पर कब्जा कर लिया। इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज विफल रहे पहले मैच में भी भारतीय टीम को बड़ी मुश्किल से जीत मिली। तब केवल लोकेश राहुल और रविन्द्र जडेजा ही रन बना पाये थे। भारतीय टीम की हार के कारणों में सूर्यकुमार यादव, , अक्षर पटेल के असफल होने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और स्पिनर एडम जंपा की घातक गेंदबाजी भी एक कारण रही। स्टार्क ने जहां दूसरे एकदिवसीय में भारतीय बल्लेबाजी क्रम को समेटा। वहीं जंपा ने तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम पर अंकुश लगा दिया।

मिशेल स्टार्क : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टार्क ने दूसरे एकदिवसीय में पांच विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी क्रम को धवस्त करने के साथ ही अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। भारतीय टीम इस बाएं हाथ के गेंदबाज का तोड़ नहीं तलाश पायी।

सूर्यकुमार यादव : आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पर मध्यक्रम में रन बनाने की अहम जिम्मेदारी थी जिसे वह निभा नहीं पाये। वह तीनों ही मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाये जबकि उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जाती रही। इससे भी अन्य बल्लेबाजों पर दबाव पड़ा। तीसरे एकदिवसीय की बात करें तो 29वें ओवर की पहली गेंद पर विराट कोहली अर्धशतक लगाकर स्पिनर एश्टन एगर की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद उतरे सूर्यकुमार पहली ही गेंद पर आउट हो गये।

अक्षर पटेल: स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को दूसरे मैच में गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी को भी मजबूती देने के लिए उतारा गया था। दूसरे मैच में उन्होंने नाबाद 29 रन बनाये थे पर तीसरे मैच में जब टीम कठिन हालातों में थी तो अक्षर रन नहीं बना पाये।

एडम जांपा : तीसरे और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने भारतीय बल्लेबाजों को अपनी स्पिन से बांध दिया। जांपा ने 10 ओवर में 45 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने शुभमन गिल 37, केएल राहुल 32, हार्दिक पांड्या 40 व रविंद्र जडेजा 18 को आउट कर भारतीय टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

जब स्टेडियम में घुसी चील

चेन्नई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां खेले गये अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में एक चील के घुसने से मैच में बाधा आई थी और कुछ देर के लिए खेल भी रोकना पड़ा था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम के दिये 270 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम जब बल्लेबाजी कर रही थी तभी मैच के 42 वें ओवर में एक ऐसी घटना घटी जिसके कारण खेल को कुछ देर तक के लिए रोकना पड़ गया। मैच के 42 वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस जब गेंदबाजी करने जा रहे थी। तभी एक चील उड़ती हुई मैदान में उतरी और पलक झपकते ही अपने शिकार को पकड़कर आसमान में ले उड़ी। इस दौरान हार्दिक पंड्या बल्लेबाजी कर रहे थे। चील को देखते ही गेंदबाज स्टोइनिस हड़बड़ा कर रुक गये। बाद में सभी खिलाड़ी हंसने लगे। कुछ मिनट रुकने के बाद खेल फिर शुरु हुआ। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी के दौरान भी 43वें ओवर में जब कुलदीप यादव गेंदबाजी कर रहे थे तभी अचानक ही एक कुत्ता तेजी से मैदान में आ गया था। कुत्ते को मैदान में देखकर सुरक्षाकर्मी उसके पीछे भागे पर वह पकड़ में नहीं आ रहा था। बढ़ी मुश्किल से उसे बाहर किया गया। अचानक मैदान पर घुसे इस कुत्ते को देखकर खिलाड़ी भी हैरान थे पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा हंसते नजर आये। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। जानवरों के मैदान में घुस आने के ऐसे वाकये पहले भी हुए हैं। एक बार तो गुवाहाटी के मैदान पर एक सांप भी आ गया था हालांकि तब किसी को नुकसान नहीं पहुंचा था।

रोहित ने खराब प्रदर्शन के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की, भागीदारियां नहीं बना सके: रोहित

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को यहां तीसरे और अंतिम वनडे में आस्ट्रेलिया से मिली 21 रन की हार के लिये अपनी बल्लेबाजी को जिम्मेदार ठहराया जिसकी वजह से टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला 1-2 से गंवा दी। रोहित ने मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि लक्ष्य बड़ा था। विकेट दूसरी पारी में हालांकि थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो गया था। पर मुझे नहीं लगता कि हमने अच्छी बल्लेबाजी की। साझेदारियां महत्वपूर्ण होती हैं और आज हम इन्हें बनाने में असफल रहे।'' उन्होंने कहा, ''हम जिस तरह से आउट हुए, वह निराशाजनक रहा। हम इसी तरह के विकेट पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। कभी कभार आपको खुद को मौका देना होता है।''

रोहित ने कहा, ''महत्वपूर्ण था कि एक बल्लेबाज अंत तक खेलता रहे। लेकिन हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश कर रहे थे। पर ऐसा हुआ नहीं। हमने जनवरी से नौ वनडे खेले हैं, हम उनसे काफी सकारात्मक चीजें ले सकते हैं। यह पूरी टीम की हार है।'' एडम जम्पा ने 45 रन पर चार विकेट लेकर भारत के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन किया, उन्हें 'प्लेयर आफ द मैच' चुना गया। उन्होंने कहा, ''मुझे यहां सफलता मिली है। यहां आकर खेलना बड़ी चुनौती है। एशटन एगर ने मैच का रूख बदल दिया।'' वहीं मिचेल मार्श को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया जिन्होंने तीन मैचों में 194 रन बनाये।

59 साल के बाद भी नहीं टूटा ये रिकार्ड

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज बापू नाडकर्णी का सबसे अधिक मेडल ओवर फेंकने का रिकार्ड आज तक नहीं टूटा है। ये आगे भी बने रहने की उम्मीद है। नाडकर्णी के नाम टेस्ट मैच में लगातार 21 मेडल ओवर फेंकने का रिकार्ड है। साल 1964 में इंग्लैंड की टीम भारत के दौरे पर थी तब उन्होंने ये उपलब्धि हासिल की थी। इस मैच में इंग्लैंड की पहली पारी में नाडकर्णी ने 32 ओवर डाले। इसमें उन्होंने 27 मेडल डाले सिर्फ 5 रन ही दिए। इस दौरान 21.5 यानी लगातार 131 गेंदों पर उनके खिलाफ कोई रन नहीं बना।

संसद में गतिरोध के बीच मंत्रियों के साथ ओम बिरला से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेन्सी)। संसद में जारी गतिरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। इस मुलाकात के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक, पीएण मोदी के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई वरिष्ठ मंत्री भी शामिल थे। पीएम मोदी ने लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की है।

बताते चलें कि संसद के बजट सत्र के दूसरे सेशन की शुरूआत 13 मार्च को हुई थी लेकिन राहुल गांधी के बयान और अडानी के मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। सरकार लगातार राहुल गांधी से ब्रिटेन में लोकतंत्र पर दिए गए बयान को लेकर माफी की मांग कर रही है, जबकि विपक्ष अडानी के मुद्दे पर लगातार सरकार को घेर रहा है और ज्वॉइन्ट पार्लियामेंट्री कमेटी गठित करने की मांग कर रहा है। पिछले दो हफ्तों से लगातार संसद की कार्यवाही ठप हो रही है।

वहीं, संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को लोकसभा में लगातार नौवें दिन प्रश्नकाल नहीं चल सका और विभिन्न मुद्दों पर सत्तापक्ष तथा विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के कारण बैठक शुरू होने के करीब 10 मिनट बाद ही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी गयी। सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीद दिवस का उल्लेख करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सदन के तीन पूर्व सदस्यों सत्यव्रत मुखर्जी, सोहन पोटाई और रंगासामी ध्रुवनारायण के निधन की जानकारी देते हुए उन्हें भी श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद उन्होंने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया तो कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी कुछ कहने का प्रयास करते देखे गये। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रश्नकाल के बाद सदस्यों को बोलने का अवसर देने का आश्वासन देते हुए कहा, मैंने किसी को बोलने से नहीं रोका है। नियम और प्रक्रियाओं के तहत सभी सदस्य बोल सकते हैं। यह

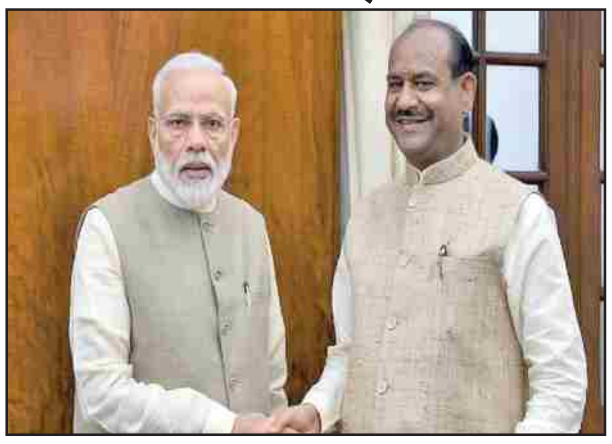

सदन आपका अपना है। उन्होंने कहा, मैं नियम प्रक्रियाओं के तहत बोलने की अनुमति दूंगा। कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्य पिछले कुछ दिनों की तरह ही आसन के समीप आकर हंगामा करने लगे और अडाणी मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग करने लगे।

कांग्रेस के कुछ सांसद पार्टी नेता राहुल गांधी को सदन में बोलने देने की मांग करते हुए राहुल गांधी की बात सुनो के नारे लगा रहे थे। इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ सदस्य भी अपने स्थान पर खड़े होकर राहुल गांधी माफी मांगो के नारे लगाने लगे। वे बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत से ही लंदन में भारतीय लोकतंत्र को लेकर दिये गये राहुल गांधी के बयान पर उनसे माफी की मांग कर रहे हैं।

बिरला ने कहा कि देश चाहता है सदन चले, जनता के मुद्दों और उनकी कठिनाइयों पर चर्चा हो। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा, आप सदन नहीं चलाना चाहते और सदन में नारेबाजी करना चाहते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी।

राजनीतिक आरोप था मोदी सरनेम संबंधी राहुल गांधी की टिप्पणी : अशोक गहलोत

भरतपुर, 23 मार्च (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरूवार को कहा कि राहुल गांधी ने मोदी सरनेम (उपनाम) को लेकर राजनीतिक टिप्पणी की थी और यह एक राजनीतिक आरोप था ।

गहलोत ने कहा, राहुल गांधी ने जब बोला था तब यह राजनीतिक आरोप था या एक प्रकार से राजनीतिक टिप्पणी थी। उसको लेकर इस प्रकार इसे अदालत में भेजा गया। मुझे न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है कि आने वाले वक्त में सही फैसला होगा और इसमें जो इन्होंने कोशिश की है संदेश देने की, उसमें ये कामयाब नहीं होंगे।

गहलोत ने कहा कि न्यायपालिका, सीबीआई, ईडी और अन्य सरकारी एजेंसियां दबाव में काम कर रही हैं फिर भी उन्हें विश्वास है कि सही फैसला बाद में आएगा।

भाजपा द्वारा राहुल गांधी को मीर जाफर कहने पर गहलोत ने कहा कि मीर जाफर की भूमिका राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान निभाई थी।

गहलोत ने भरतपुर में बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा राहुल गांधी की टिप्पणी राजनीतिक प्रकृति की थी और राजनीति में ऐसी टिप्पणी चलती रहती है। ऐसी टिप्पणी अतीत में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी ने भी की होगी, लेकिन वह एक अलग युग था ।

उन्होंने कहा, यह एक राजनीतिक आरोप था जिससे जनता को एक संदेश देना था, कि मोदी नाम के लोग जो हैं वो क्यों ऐसी हरकतें करते हैं । इसका मतलब यह भी होता है कि मोदी के सरनेम के जो लोग है उनको लगता है कि प्रधानमंत्री हमारा आदमी है.. हमें बचा लेगा.. हमारा कौन क्या बिगाड़ लेगा.. यह भी तो मतलब होता है उसका।

उन्होंने कहा कि न्यायपालिका दबाव में है और फैसले प्रभावित होते हैं और इस तरह लोकतंत्र खतरे में है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है क्योंकि सही फैसला बाद में आएगा।

गुजरात के सूरत की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2019 में उनकी 'मोदी सरनेम' टिप्पणी को लेकर दायर आपराधिक मानहानि के मामले में दो साल की जेल की सजा सुनाई है।

राहुल गांधी को मीर जाफर कहने के लिये भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा को आड़े हाथों लेते हुये गहलोत ने कहा कि वह निम्न स्तर की टिप्पणी करते हैं और ऐसे लोग भाजपा का चेहरा हैं।

उन्होंने कहा, इतिहास गवाह है कि मीर जाफ़र द्वारा किए गए कार्यों को वीर सावरकर और आरएसएस के लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किया था। सावरकर, पंडित नेहरू और अन्य नेता जेलों में थे और वीर सावरकर ने कई बार लिखित में माफी मांगी।

उन्होंने कहा, अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम चल रहा था। उस समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की क्या भूमिका थी ? क्या एक भी व्यक्ति ने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था ? वे राहुल गांधी को मीर जफर से जोड़ते हैं, उन्हें इस पर शर्म आनी चाहिए। आरएसएस ने मीर जाफर की भूमिका निभाई और देश को धोखा दिया।

गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी एक साहसी नेता हैं और मोदी और राजग सरकार को टक्कर दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश में यह पहली ऐसी घटना है जब कोई राजनेता किसी राज्य में जाता है, राज्य के बारे में फीडबैक लेता है और मीडिया के माध्यम से लोगों के साथ साझा करता है और फिर दिल्ली पुलिस मामला दर्ज करती है और उससे पूछताछ करती है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी हावड़ा निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

हावड़ा, पश्चिम बंगाल के श्री बिश्वनाथ दे ने **14.02.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **42C 68696** है। उन्होंने नागालैंड स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''मुझे यह आश्चर्यजनक अवसर प्रदान करने के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को हृदय से धन्यवाद देना चाहता हूं। एक करोड़पति बन जाना हमारे जीवन में अद्भुत मौका था। इस विशाल पुरस्कार राशि ने मेरा जीवन आर्थिक रुप से आसान बनाने के साथ ही जीवन में ढेर सारी उम्मीद और ऊर्जा दे दी है। मैं हर एक को डियर लॉटरी खरीद कर अपनी किस्मत आजमाने की सलाह दूंगा।'' विजेता ने कहा।

सपा के पास सिर्फ गुंडे और माफिया हैं : केशव प्रसाद मौर्य

मुरादाबाद, 23 मार्च (एजेन्सी)। सपा के मुखिया अखिलेश यादव लगातार अहंकारपूर्ण बयान देते रहते हैं। उन्हें अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने की आदत है। वे सैफई वाले परिवार को ही सिर्फ पिछड़ा मानते हैं। ये बातें गुरुवार को विकास कार्यों की समीक्षा करने मुरादाबाद आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहीं।

पत्रकार वार्ता के दौरान उपमुख्यमंत्री सपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि सपा के नेता अखिलेश यादव जहर उगलने का काम करते हैं। उनका बस चले तो वे सभी स्थानों से उनको हटा दें। सपा अब समाप्तवादी पार्टी बनती जा रही है। सपा एक डूबता जहाज है। प्रदेश की राजनीति में उनका कोई भविष्य नहीं है। उनके साथ जनता नहीं है। सपा के पास सिर्फ गुंडे और माफिया हैं।

वह सिर्फ बयानबाजी करते रहते हैं। जनता भाजपा के साथ है। इसी कारण चुनाव भी जीतते हैं। केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की हारी हुई सीटों को भी भाजपा 2024 में जीतेगी। देश में 400 से पार जीतने का लक्ष्य पार्टी ने निर्धारित किया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को अदालत ने सजा दी है। अदालत अपना काम कर रही है।

समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा है कि सीए श्वेताभ हत्याकांड़ के असली अपराधियों को पुलिस खोज निकाले। इस मामले में कार्रवाई जनता के समक्ष दिखाई देनी चाहिए। वह मुख्यमंत्री से पहले एक कार्यकर्ता हैं। अधिकारी भाजपा के बूथ अध्यक्ष से लेकर विधायक तक की समीक्षा सुनें। इस मामले में अधिकारियों को हिदायत दी गई है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निकाय चुनाव के मामले में सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई है। पार्टी निकाय चुनाव में 27 फीसदी आरक्षण लागू करेगी। इस मामले में भाजपा ने चुनाव के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री ने आवास विकास परिषद से सड़कें ठीक कराने के निर्देश दिए। इस बीच नगर आयुक्त से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। जिले के अधिकारियों ने रिंग रोड की प्रगति

के बारे में उप मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने रामगंगा विहार की रोड ठीक कराकर उसे गड्ढामुक्त बनाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां-जहां ओवर बिलिंग की समस्या आ रही हैं। उनका विद्युत अधिकारी समाधान करें। एक अप्रैल से कृषि के लिए निजी नलकूप का विद्युत बिल निःशुल्क रहेगा। इस निर्णय से जनपद में लगभग 25 हजार और मंडल के लगभग 1,74000 किसान लाभान्वित होंगे।

पीएम आवास योजना के तहत हुए कार्यों के बारे में उपमुख्यमंत्री ने परियोजना निदेशक से जानकारी ली। वहीं सीएमओ ने बताया कि जिले में छह लाख आयुष्मान कार्ड बन गए हैं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जिले में पीएम किसान योजना के तहत लगभग ढाई लाख किसानों को लाभ पहुंचाया गया है। नगर आयुक्त ने बताया कि पीएम स्वनिधि के तहत 18,641 लाभार्थियों को ऋण की प्रथम किस्त प्राप्त करा दी गई है। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्षा डॉ. शैफाली सिंह, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता, मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीआईजी शलभ कुमार माथुर, डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह, एसएसपी हेमराज मीना, नगर आयुक्त संजय चैहान, मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा, एडीएम वित्त श्री युगराज सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राहुल गांधी को संसद से बाहर रखने का प्रयास हो रहा... मोदी सरकार को 'कायर' बता बरसे खड़गे

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'मोदी उपनाम' से जुड़ी टिप्पणी को लेकर सूरत की एक अदालत के फैसले के बाद कहा कि ये राहुल गांधी को संसद से बाहर रखने का एक प्रयास है। अदालत ने राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराते हुए दो साल कारावास की सजा सुनाई है। खड़गे ने कहा कि यह सब पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष (राहुल गांधी) को संसद से बाहर रखने का प्रयास है क्योंकि वह सच बोलते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस इस सरकार से सवाल पूछते रहेंगे और जनता की आवाज उठाते रहेंगे।

खड़गे ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर आधारित पुस्तक 'माटी के लाल' के विमोचन के मौके पर कहा, 'राहुल जी पर गुजरात में जो कार्यवाही हुई है, उसके खिलाफ हम ऊपरी अदालत में अपील करेंगे, लेकिन न तो डरेंगे न पीछे हटेंगे। हम हर हाल में इस सरकार के कुकर्मों का

पर्दाफाश करते रहेंगे।' उन्होंने आरोप लगाया, 'इस मामले में कुछ नहीं है, लेकिन सच बोलने के लिए वो (सरकार) राहुलजी को संसद से बाहर रखने के लिए ये सारे तरीके तलाश रहे हैं। ये सब डराने के लिए किया जा रहा है।'

इससे पहले, खड़गे ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'पहले न्यायाधीशों को बदला गया....हमको पहले से अंदाजा लग रहा था, लेकिन हम कानून और न्यायपालिका में विश्वास रखने वाले हैं और कानून के तहत लड़ेंगे।' उन्होंने ट्वीट किया, 'कायर, तानाशाह भाजपा सरकार राहुल गांधी और विपक्ष से तिलमिलाई हुई है, क्योंकि हम उनके काले कारनामों को उजागर कर रहे हैं। जेपीसी की मांग कर रहे हैं। राजनीतिक दिवालियेपन की शिकार मोदी सरकार, ईडी, पुलिस भेजती है। राजनीतिक भाषणों पर केस थोपती है।'

उन्होंने कहा, 'हम उच्चा न्यायालय में अपील करेंगे।'

पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम में खड़गे ने दावा किया, 'हम गांधी टोपी वाले लोग हैं...मोदी साहब के सिर पर काली छतरी रहती है। काली छतरी के नीचे सब काले धंधे वाले लोग रहते हैं।' उन्होंने रिमोट कंट्रोल संबंधी प्रधानमंत्री के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री जी जो बयान देते हैं, वह उनको शोभा नहीं देता है...प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि मेरा रिमोट कंट्रोल कहीं ओर है। मैं उनसे पूछता हूं कि नड्डाजी का रिमोट कंट्रोल किसके पास है।'

NAGALAND STATE LOTTERIES

DEAR GOVERNMENT LOTTERIES

M.R.P. ₹ 6

1.00 PM | 6.00 PM | 8.00 PM

प्रथम पुरस्कार ₹ 1 करोड़

NEW SCHEME FROM 03.04.2023 ONWARDS

RANK	PRIZE AMOUNT FOR WINNERS ₹	PRIZE AMOUNT FOR SELLERS* ₹
1	1,00,00,000	5,00,000
Cons	1,000	500
2	9,000	500
3	450	50
4	250	20
5	120	10

और जीतें कई सारे पुरस्कार

*TDS 5% Applicable on Seller Prize Amount (Section 194G)

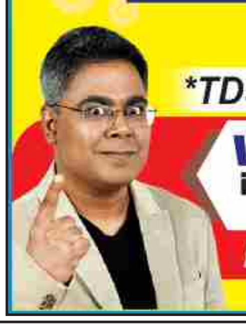

WATCH LIVE DRAW in KOLKATA TV & YOUTUBE
Everyday at 1 PM, 6 PM & 8 PM

LIVE STREAMING nagalandlotteries.live

टिकट सभी लॉटरी काउन्टरों पर उपलब्ध हैं

For Tickets & Trade Enquiries, Call : 86370 06281 / 82923 49392 (SIKKIM)

Issued by : The Director, Nagaland State Lotteries, Kohima.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com